Weather Report

अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.

जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साइज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 145 | जयपुर, शुक्रवार, 08 नवम्बर 2024 | पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

गोपालगढ़ केस में सीएम को कोर्ट में देनी होगी हाजिरी

स्थायी रूप से अदालत में नहीं आने की मांगी थी छूट, प्रार्थना-पत्र खारिज

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। गोपालगढ़ दंगा केस में सीएम भजनलाल शर्मा की स्थायी हाजिरी माफी की एप्लिकेशन को एडीजे-4 अदालत ने खारिज कर दिया है। जज अनामिका सहारण ने सीएम के प्रार्थना-पत्र को खारिज करते हुए कहा कि मामले में ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है कि सीएम को अदालत में पेश होने से स्थायी रूप से छूट दी जाए। सीएम भजनलाल शर्मा की ओर से दायर एप्लिकेशन में कहा गया था कि याचिकाकर्ता राजस्थान का मुख्यमंत्री है। अक्सर सरकार के काम से जयपुर से बाहर जाना होता है। रकार के काम से विदेश भी जाना होता है। ऐसे में एप्लिकेशन स्वीकार करके स्थायी हाजिरी माफी प्रदान की जाए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी जमानत पर बाहर है। मामला साक्ष्य अभियोजन की स्टेज पर है। वहीं आरोपी को इसी शर्त पर जमानत दी गई थी कि वह कोर्ट में आवश्यकता होने पर उपस्थित होता रहेगा। वर्तमान में ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है कि आरोपी कोर्ट की ओर से तलब करने पर उपस्थित होने में असमर्थ हो। आरोपी को जब भी कोर्ट तलब करे, उस समय उपस्थित होना है। वहीं जिस दिन उपस्थित नहीं हो, उस दिन के लिए उनके वकील हाजिरी माफी पेश कर सकते हैं। हालांकि कोर्ट के मतानुसार वर्तमान में ऐसी कोई परिस्थिति नहीं होने के कारण एप्लिकेशन को खारिज किया जाता है।

पूर्व मंत्री जाहिदा का प्रार्थना-पत्र भी खारिज

कोर्ट ने पूर्व मंत्री जाहिदा खान और पूर्व विधायक अनिता गुर्जर के जमानत में विदेश जाने पर कोर्ट को सूचित करने की शर्त को हटाने की एप्लिकेशन को भी खारिज कर दिया है। दोनों ने कोर्ट में एप्लिकेशन लगाकर कहा था कि वे जनप्रतिनिधि हैं। मामला पिछले 11 साल से चल रहा है। ऐसे में जमानत में विदेश जाने पर रोक की शर्त हटाई जाए। इन दोनों की एप्लिकेशन का सीबीआई ने विरोध करते हुए कहा था कि आरोपियों के फरार होने की आशंका है। ऐसे में इस शर्त को नहीं हटाया जाना चाहिए। साल 2011 में गोपालगढ़ में हुए दंगा मामले में कोर्ट से भजनलाल शर्मा, जाहिदा खान, जमशेद खान, प्रमोद शर्मा, सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेढम, केसरी सिंह, गिरधारी तिवारी सहित अन्य आरोपियों को 10 सितंबर 2013 को सशर्त अग्रिम जमानत मिली थी। शर्त थी कि कोर्ट की मंजूरी के बिना देश से बाहर नहीं जाएंगे। जांच में सहयोग करेंगे और गवाहों को डराएंगे-धमकाएंगे नहीं। मामले में सीएम भजनलाल शर्मा के वकील अश्विनी बोहरा ने कहा कि हम पिछले 11 साल से लगातार हाजिरी माफी की एप्लिकेशन लगा रहे हैं। वहीं कोर्ट हमारी एप्लिकेशन को स्वीकार भी कर रहा है।

राइजिंग राजस्थान में आने वाले निवेशकों जयपुर में मिलेगा डिस्काउंट

राइजिंग राजस्थान के दौरान दुनियाभर से जयपुर आने वाले निवेशकों का जयपुर व्यापार मंडल द्वारा स्वागत किया जाएगा। इस दौरान जयपुर के सभी प्रमुख बाजारों में निवेशकों को न सिर्फ डिस्काउंट दिया जाएगा। बल्कि हर व्यापारी का दुपट्टा पहना इलायची खिलाकर स्वागत किया जाएगा। दरअसल, राइजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर हेरिटेज निगम मुख्यालय में गुरुवार को शहर के व्यापार मण्डलों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। हेरिटेज निगम मेयर कुसुम यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा, आयुक्त अरूण कुमार हसीजा समेत जयपुर व्यापार महासंघ के पदाधिकारी और शहर के प्रमुख व्यापारी मौजूद रहे। बैठक में शामिल हुए विधायक गोपाल शर्मा ने सभी व्यापारियों से नौ दिसम्बर से शुरू होने वाले राइजिंग राजस्थान में शामिल हो रहे देशी - विदेशी अतिथियों के स्वागत के लिए पलक पांवडे बिछाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि तीन दिन तक जयपुर शहर में राइजिंग राजस्थान के अतिथि शहर की खूबसूरती को निहारेंगे, ऐसे में बाजारों में दीवाली जैसी रौनक रहेगी, हम सभी उनका राजस्थानी अंदाज में स्वागत करें। जिससे वे अपने साथ जयपुर की मेहमाननवाजी की खूबसूरत यादें साथ लेकर जाएं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 2 विलेज डिफेंस गार्ड की हत्या

आतंकियों ने किडनैप किया, फिर गोली मारी, जैश ने जिम्मेदारी ली, एनकाउंटर जारी

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के अधवारी इलाके में गुरुवार को आतंकियों ने 2 विलेज डिफेंस गार्ड की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मुंजला धार जंगल में मवेशियों को चराने गए विलेज डिफेंस गार्ड को आतंकियों ने किडनैप किया। इसके बाद उन्हें एक साथ गोली मार दी गई। घटना के बाद सेना के जवानों के साथ मिलकर आतंकियों को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फिलहाल इलाके में आतंकियों की कोई जानकारी नहीं मिली है। मृतकों की पहचान ओहली-कुंतवाड़ा के विलेज डिफेंस गार्ड नजीर अहमद और कुलदीप कुमार के रूप में हुई है। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कश्मीर टाइगर्स ग्रुप ने ली है। कश्मीर टाइगर्स ने सोशल मीडिया पर डिफेंस गार्ड के शवों की तस्वीरें शेयर की, जिसमें दोनों के मुंह से खून बह रहा था। दोनों के आंखों में पट्टी भी बंधी थी। कश्मीर टाइगर्स ने पोस्ट में लिखा- कश्मीर की आजादी तक यह जंग जारी रहेगी। उधर, बारामूला के सोपोर में भी आतंकियों और सेना के बीच गुरुवार रात को एनकाउंटर शुरू हुआ। सेना के चिनार कॉर्प्स ने ड्ड पर बताया कि

बारामूला के सोपोर के पानीपुरा इलाके में कुछ आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग की, जिसका सेना के जवानों ने भी जवाब दिया। कश्मीर टाइगर्स ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए ड्ड पर पोस्ट की। इसमें लिखा कि दोनों विलेज डिफेंस गार्ड कश्मीर टाइगर्स के मुजाहिद्दीन का पीछा कर रहे थे। मुजाहिद्दीन ने दोनों गार्ड को रंगे हाथों पकड़ा और उनकी हत्या कर दी। पोस्ट में लिखा था- कश्मीर टाइगर्स का रिकॉर्ड देख सकते हैं। हमने कभी किसी कॉमन हिंदू नहीं मारा है। हम इंडियन आर्मी के खिलाफ लड़ रहे हैं। ऐसा देखा जा रहा है कि कुछ लोग विलेज डिफेंस गार्ड जॉइन करके इंडियन आर्मी का टूल बनना चाह रहा है। उन्हें आज की घटना से सबक लेना चाहिए।

महाराष्ट्र भाजपा का कांग्रेस पर आरोप

राहुल के प्रोग्राम में संविधान की खाली प्रतियां बांटी, राहुल अर्बन नक्सलियों की मदद चाहते हैं: फडणवीस

■ संजीवनी टुडे

नागपुर। महाराष्ट्र भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर संविधान और संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने गुरुवार सुबह 8:30 बजे अपने एक्स हैंडल पर राहुल गांधी का एक वीडियो पोस्ट कर लिखा- पहले तो राहुल ने नागपुर में संविधान की खाली कॉपी दिखाई, फिर बाबा साहेब की मूर्ति पर माला नहीं चढ़ाई। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी राहुल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- राहुल गांधी नागपुर में एक चुनावी कार्यक्रम में ‘लाल किताब‘ लेकर ‘शहरी नक्सलियों और अराजकतावादियों‘ से वोट मांग रहे थे। इसके जवाब में राहुल ने कहा कि महाराष्ट्र के भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार बाबासाहेब के संविधान को दिखाना और जाति जनगणना के लिए आवाज उठाना नक्सली विचार है! भाजपा की ये सोच डॉ भीमराव अंबेडकर का अपमान है। वीडियो में दिखा- राहुल ने अंबेडकर की मूर्ति के सामने माला रख दी महाराष्ट्र भाजपा ने जो वीडियो पोस्ट किया, उसमें दिखाई दे रहा है कि राहुल गांधी के कार्यक्रम के मंच पर शिवाजी की मूर्ति के अलावा तीन तस्वीरें रखी हुई थीं। इसमें बाबा साहब अंबेडकर की भी तस्वीर शामिल है। राहुल ने अंबेडकर की तस्वीर पर माला नहीं चढ़ाई और उसे बगल में रख दिया। भाजपा ने

इसे बाबा साहब का अपमान बताया। फडणवीस का बयान देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ''राहुल गांधी की भारत के संविधान के प्रति निष्ठा कल देखी गई। मैंने जो आरोप लगाया था, वह सच निकला। वह लाल किताब के साथ संविधान का महिमामंडन नहीं करना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने अपने साथ मौजूद अर्बन नक्सलियों और अराजकतावादियों को चेतावनी देने और उनसे मदद मांगने के लिए यह नाटक किया। वह हर दिन संविधान का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर का अपमान किया और संविधान का अपमान किया। अब कोई भी उनकी चालों को नहीं भूलेगा। जयराम रमेश का जवाब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने फडणवीस की बातों का जवाब देते हुए कहा कि देवेन्द्र फडणवीस हताश हो रहे हैं।

लाल किताब दिखाने का आरोप लगाया

उन्होंने राहुल गांधी पर तथाकथित ''शहरी नक्सलियों'' से समर्थन लेने के लिए ''लाल किताब'' दिखाने का आरोप लगाया है। फडणवीस जिस पुस्तक को लेकर आपत्ति जता रहे हैं वह भारत का संविधान है, जिसके मुख्य शिल्पकार डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर थे। यह भारत का वही संविधान है जिसे मनुस्मृति से प्रेरित न बताकर आरएसएस ने नवंबर 1949 में हमला किया था। यह भारत का वही संविधान है जिसे नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री बदलना चाहते हैं।

78% भारतीयों ने मौजूदा आर्थिक स्थिति को अच्छा बताया

29 देशों के सर्वे में भारत में बेरोजगारी और दुनिया में क्राइम-हिंसा सबसे बड़ी चिंता

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। 78% भारतीयों ने देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति को बेहतर बताया। एक साल में ऐसा मानने वाले 4% बढ़े हैं। दुनिया के 29 देशों में भारत दूसरे नंबर पर है, जहां मौजूदा आर्थिक हालात को सबसे ज्यादा लोग बेहतर मानते हैं। सिंगापुर पहले पर है। वैश्विक मार्केट रिसर्च फर्म इप्सोस के ‘दुनिया को सबसे ज्यादा किसकी चिंता’ के मासिक सर्वे में यह बात सामने आई। दुनिया में 61% लोगों का कहना है कि उनके देश के आर्थिक हालात खराब हैं। जापान में ऐसा मानने वालों का आंकड़ा सर्वाधिक 86% है। भारत में महंगाई को सबसे बड़ी चिंता मानने वाले लोग सालभर में 16% घट गए। हालांकि, अब भी देश में 30% लोग महंगाई और इतने ही लोग बेरोजगारी को बड़ी चिंता मानते हैं। टॉप-5 चिंताओं में से सिर्फ गरीबी-असमानता को बड़ी चिंता मानने वाले 4% बढ़े हैं। भारत की टॉप-5 चिंताओं में से 4 को बड़ी चिंता मानने वाले घटे। अपराध-हिंसा में 29 देशों में हम 21वें पर। भारत के 30% लोग बेरोजगारी को बड़ी चिंता मानते हैं, पर 12 माह में बेरोजगारी को बड़ी चिंता बताने वाले 9% घटे। रूस-यूक्रेन में युद्ध के बाद पिछले ढाई साल में पहला मौका है।

क्लाइमेट चेंज को लेकर दुनिया बेफिक्र

भारत समेत दुनिया को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे ‘क्लाइमेट चेंज’ को लेकर भारतीय बेफिक्र हैं। सर्वे में 13% भारतीयों ने ही इसे चिंता बताया। दुनिया के भी 16% लोगों ने ही इसे प्रमुख चिंता बताया है। काफी लंबे समय तक पाकिस्तान और चीन से लगी सीमाओं में विवाद की स्थिति होने के बाद भी केवल 10% भारतीय ही सैन्य संघर्ष को लेकर चिंतित हैं। ‘आर्थिक और राजनीतिक भ्रष्टाचार’ दुनिया की टॉप-5 चिंता में शुमार है। लेकिन पिछले एक साल के दौरान इसे प्रमुख चिंता मानने वाले लोग 1% कम हो गए हैं। जब ‘महंगाई’ दुनिया की सबसे बड़ी चिंता नहीं रही। अब ‘हिंसा और अपराध’ सबसे बड़ी चिंता है। इप्सोस सर्वे के अनुसार, दक्षिणी अमेरिकी देश चिली ''हिंसा और अपराध‘ पर सबसे ज्यादा चिंतित। पूर्वी यूरोपीय देश हंगरी सबसे शांत जगह है। यहां केवल 7% ही इसको लेकर चिंतित हैं। तुर्किए निवासी (57%) दुनिया में महंगाई को लेकर सबसे ज्यादा फिक्रमंद हैं। स्वीडिश (17%) दुनिया में महंगाई को लेकर सबसे ज्यादा आश्वस्त हैं। थाईलैंडवासियों को अपने देश में (47%) सबसे ज्यादा ''गरीबी और सामाजिक असमानता‘ दिखाई देती है। सिंगापुरवासियों (17%) को अपने यहां सबसे कम ''गरीबी और सामाजिक असमानता‘ नजर आती है। दक्षिण अफ्रीकी (66%) दुनिया में सबसे ज्यादा चिंतित हैं।

केंद्र ने पराली जलाने पर जुर्माना दोगुना किया

■ संजीवनी टुडे

30 हजार तक देना होगा, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सरकार ने जुर्माना बढ़ाया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्र सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना दोगुना कर दिया है। पर्यावरण मंत्रालय ने गुरुवार को एक नोटिफिकेशन जारी करके इसकी जानकारी दी। अब 2 एकड़ से कम जमीन पर 5000 रुपए का जुर्माना लगेगा। दो से पांच एकड़ तक 10,000 रुपए और पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वालों से 30,000 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली सरकार इन नियमों को लागू करने के लिए बाध्य होंगी। दरअसल, 4 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पराली पर पंजाब-हरियाणा से 14 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा था। इससे पहले 23 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत नियम बनाने और जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिए केंद्र सरकार को दो हफ्ते का समय दिया था। 23 अक्टूबर की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट हरियाणा सरकार की कार्रवाई से संतुष्ट नजर नहीं आया था। कोर्ट ने कहा कि हमें सख्त आदेश देने के लिए मजबूर न करें। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस ए अमानुल्लाह और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने पंजाब और हरियाणा सरकार की खेतों में पराली जलाने से रोकने की कोशिशों को महज दिखावा बताया। कोर्ट ने कहा कि अगर ये सरकारें वास्तव में कानून लागू करने में रुचि रखती हैं तो कम से कम एक केस तो चलना ही चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा कि अब समय आ गया है कि केंद्र, पंजाब और हरियाणा सरकारों को याद दिलाया जाए कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। प्रदूषण में रहना अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन है।

बच्चों से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामले में समझौता नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को किया रद्द, आरोपी शिक्षक के खिलाफ फिर से चलेगा मामला

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामले को पक्षकारों के बीच हुए आपसी समझौते के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता हैं। जस्टिस सीटी रवि कुमार और जस्टिस संजय कुमार की बैंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के 4 फरवरी 2022 के उस आदेश को भी गलत मानते हुए रद्द कर दिया हैं। जिसमें हाई कोर्ट ने नाबालिग छात्रा के परिवार और आरोपी शिक्षक के बीच हुए आपसी समझौते के आधार पर शिक्षक के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया था। वहीं अदालत ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ दर्ज एफआईआर को भी बहाल करते हुए कार्रवाई आगे बढ़ाने के लिए कहा हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अक्टूबर 2023 में पक्षकारों की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में प्रसिद्ध अमेरिकी कवि एच डब्ल्यू लॉन्गफ़ेलो की लिखी पंक्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि फटी हुई जैकेट को जल्द ठीक किया जा सकता है, लेकिन एक बच्चे का घायल दिल फिर से जीवित नहीं हो सकता। यह लड़की के मामले में और भी ज्यादा गंभीर हो जाता है।

छात्रा के गांव का व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

लेकिन छात्रा के गांव के निवासी प्रार्थी ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में यह मानते हुए चुनौती देने का निर्णय लिया कि इससे तो शिक्षक कार्रवाई से बच जाएगा व अन्य के लिए भी यह मिसाल बनेगा। प्रार्थी की ओर से कहा कि ऐसे अपराध पूरे समाज को प्रभावित करते हैं और इन्हें पक्षकारों के बीच में हुए आपसी समझौते से खत्म नहीं कर सकते। वहीं एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि बच्चों से जुड़े अपराध, विशेष रूप से यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण पॉक्सो एक्ट के तहत केवल निजी मामले नहीं आते हैं।

इन अपराधों का समाज पर भी प्रभाव पड़ता है। हाईकोर्ट से मामले की एफआईआर रद्द करने से समाज में गलत संदेश जाएगा। मामले में केवल पीड़ित को ही न्याय नहीं मिले बल्कि पूरे समाज के लिए भी व्यापक स्तर पर होना चाहिए। क्योंकि यह उसे परेशान कर सकता है और उसके परिवारिक जीवन में भी रुकावट पैदा कर सकता है। मामले के अनुसार, 15 साल की स्कूली छात्रा से यौन शोषण के मामले में आरोपी शिक्षक के खिलाफ छात्रा के पिता ने सवाई माधोपुर जिले के संबंधित पुलिस थाने में 8 जनवरी 2022 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें शिक्षक पर यौन दुराचार व दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। आरोपी शिक्षक व छात्रा के परिजनों ने हाईकोर्ट में आपसी समझौते के आधार पर इस मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आग्रह किया। जिस पर हाईकोर्ट ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द कर दी।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस

सुप्रीम कोर्ट का प.बंगाल से बाहर केस ट्रांसफर करने से इनकार, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सभी राज्यों से सुझाव मांगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली/कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपडेटेड स्टेटस रिपोर्ट को लेकर 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। साथ ही कोर्ट ने मामले की सुनवाई किसी और राज्य में ट्रांसफर करने से भी इनकार कर दिया है। डॉक्टरों की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर एक वकील ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार ने नेशनल टास्क फोर्स की रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो एनटीएफ की रिपोर्ट की कॉपी केस से जुड़े सभी वकीलों, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे। इसके बाद सभी याचिकाकर्ता और राज्यों के चीफ सेक्रेटरी इस पर अपने सुझाव दें। इसके लिए कोर्ट ने तीन हफ्ते का समय दिया है। इससे पहले 4 नवंबर को पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने रेप और और मर्डर के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए थे। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी। सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है। कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स पर नाराजगी जताई थी एनटीएफ ने दो श्रेणियों में सिफारिशें तैयार की हैं। पहला- शारीरिक हिंसा की रोकथाम और दूसरा- मेडिकल प्रोफ़ेशनल्स के खिलाफ यौन हिंसा की रोकथाम। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुई सुनवाई में कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स की वर्किंग को लेकर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने एनटीएफ को 3 हफ्ते के अंदर डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर अपने सुझाव देने के निर्देश दिए थे। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने कहा था कि एनटीएफ को डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोटोकॉल बनाने की जिम्मेदारी दी गई है।

रामभद्राचार्य बोले- गोविंद देवजी मंदिर नहीं जाऊंगा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि का फैसला होने के बाद करूंगा दर्शन, गलता गद्दी हमें मिलेगी

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जगदगुरु रामभद्राचार्य ने कहा- मैंने गोविंद देवजी के दर्शन का मन बनाया था, पर फिर मेरा मन बदल गया। जब तक श्रीकृष्ण जन्मभूमि (मथुरा,यूपी) का फैसला नहीं हो जाता, तब तक दर्शन करने नहीं आऊंगा। उन्होंने जयपुर की गलता पीठ को लेकर कहा- हमारी गलता गद्दी, हमें मिलकर रहेगी। मैं अधिकार लेना जानता हूं। इंतजार कीजिए, गलता गद्दी पर भी रामानंदियों का ही विजय स्तंभ होगा। रामभद्राचार्य ने विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा के पहले दिन ये बात कही। उन्होंने कहा कि जयपुर मेरा परिचित शहर है। 2003 में भी यहां कथा की थी। उन्होंने कहा- गोविंद देवजी से हमने कह दिया है, आप कितनी भी मनुहार करो, पर जब तक श्री कृष्ण जन्मभूमि हमें नहीं मिल जाती, तब तक हम किसी भी कृष्ण मंदिर में दर्शन नहीं करेंगे। रामभद्राचार्य की इस बात पर पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा। बता दें कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर की मांग लगातार हिंदू संगठनों की ओर से की जा रही है।

गलता की गद्दी पर भी रामानंदियों का ही होगा विजय स्तंभ

रामभद्राचार्य ने कहा- श्रीराम जन्मभूमि हम ले आए। मेरी वही प्रतिभा है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि को भी हम लाकर रहेंगे। मेरी प्रतिभा ने श्री राम जन्मभूमि की साक्षी बनकर 550 साल का कलंक समाप्त करके रामजी को विराजित करवा दी। अब कृष्ण जन्म भूमि में भी मेरा साक्ष्य हो रहा है, वो भी मिलेगा। काशी विश्वनाथ

भी हमें प्राप्त होगा। आपके देखते-देखते गलता गद्दी हमको मिलकर रहेगी। अधिकार लेना मैं जानता हूं। प्रतीक्षा कीजिए गलता गद्दी पर भी रामानंदियों का ही विजय स्तंभ होगा। रामभद्राचार्य ने कहा- राजस्थान वैष्णव और वीरों की भूमि है। यहां पर आज मेरी 1394 वीं कथा छोटी काशी में शुरू हुई है। राजस्थान की मीरा ने कहा था कि मैं तो गोविंद रा गुण गास्यां, राम जी रुसे तो म्हारो काई करसी। राजस्थान में तिलक भी है और तलवार भी है। रामभद्राचार्य ने कहा- राम कथा बहुतों ने लिखी है, लेकिन तुलसीदास जी जैसी किसी ने भी नहीं लिखी। भगवान श्रीराम जैसा किसी का प्रभाव भी नहीं और स्वभाव भी नहीं। संत को हाथ में माला लेनी चाहिए, लेकिन जब देश में क्रांति हो तो भाला भी ले लेना चाहिए। राम मंदिर के केस में भी मुझे मुस्लिम जज ने कहा की चिंता मत करो रामलला यही विराजेंगे।

खबरें फटाफट

नालियों में गिरकर हो रहे हैं राहगीर घायल, प्रशासन बेखबर

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। जिले के भिंडर नगर में कुछ दिनों पूर्व में हुए सीसी रोड निर्माण में छोड़ी गई पुरानी नालियों के डैमेज होने से आए दिन उसमें गिरकर राहगीर चोटिल हो रहे हैं ।आपको बता दे कि पूर्व में डामर रोड पर सीसी निर्माण में 6 इंच का होने से पूर्व में बनी नालियां नाले में बदल गई है जिसमें आए दिन वहां से गुजरने वाले राहगीर हो या उनके वाहन उन नालियो मे गिर रहे हैं। गुरुवार को भी हीन्ता गेट के अंदर अंबेडकर मार्ग को जोड़ने वाली नाली में एक कार के आगे के पूरे पहिए ही अंदर चले गए ।जिसे आसपास के दुकानदारों व राहगीरों ने मिलकर बाहर निकाला। यही हाल बाहर के शहर से कुम्हारवाड़ा जोड़ने वाले रास्ते के बीच की नालियों का है ।वार्ड वासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि प्रशासन को नालिया सही करवानी चाहिए चाहिए जिससे आम जनता को परेशानी से राहत मिल सके।

नायब तहसीलदार का किया भव्य स्वागत

■ संजीवनी टुडे

फागी। दूदू से स्थानांतरण होकर मौजमाबाद में नायब तहसीलदार पद भार ग्रहण करने के बाद नायब तहसीलदार श्याम लाल शर्मा के निवास पर पहुंच कर श्री बाबा रामदेव जन सेवा समिति अध्यक्ष हनुमान प्रसाद गोठवाल व ग्राम पंचायत मोहनपुरा पृथ्वीसिंह पूर्व सरपंच रामस्वरूप गोठवाल ने साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया और मुंह मीठा करवाया। एवं उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस पर नायब तहसीलदार शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। विधानसभा उप चुनाव-2024 के स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सफलतापूर्वक संपादन के लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर श्री अंकित कुमार सिंह ने बताया कि तहसील क्षेत्र सीमलवाड़ा एवं झौंथरीपाल के लिए उपखण्ड अधिकारी डूंगरपुर मुकेशचन्द्र मीणा एवं तहसील क्षेत्र चिखली के लिए तहसीलदार सागवाड़ा नरेन्द्र साहू एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। विधानसभा उप चुनाव-2024 की प्रक्रिया पूर्ण हो जाने तक संबंधित क्षेत्र में प्रभावी पर्यवेक्षण करते हुए कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली घटना की जानकारी तत्काल आरओ चौरासी (उपखण्ड अधिकारी सीमलवाड़ा) एवं जिला कलक्टर को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

10 नवम्बर को प्रस्थान करेंगे सेक्टर ऑफिसर

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। विधानसभा उप चुनाव-2024 के तहत सेक्टर ऑफिसर की नियुक्तियां की जाकर सेक्टर आवंटन किए गए हैं। नियुक्त सेक्टर ऑफिसर 10 नवम्बर को जिला मुख्यालय से कार्यालय रिटर्निंग अधिकारी चौरासी के लिए प्रस्थान करेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश धाकड़ ने बताया कि सभी सेक्टर ऑफिसर को 10 नवम्बर को प्रातः 10 बजे ईडीपी सभागार, कलक्ट्रेट डूंगरपुर में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। सेक्टर ऑफिसर को ब्रीफिंग के बाद वाहन अधिग्रहण सेल से वाहन प्राप्त कर आवंटित मतदान केन्द्रों पर समस्त प्रकार की आधारभूत सुविधाओं, कानून व्यवस्था एवं अन्य बिन्दुओं की समीक्षा कर रिपोर्ट रिटर्निंग अधिकारी, चौरासी और जिला कलक्टर को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मतगणना अधिकारियों का प्रशिक्षण 18 और 21 को

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। विधानसभा उप चुनाव-2024 के तहत नियुक्त मतगणना अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण 18 नवम्बर को एवं द्वितीय प्रशिक्षण 21 नवम्बर को वीरबाला कालीबाई राजकीय कन्या महाविद्यालय, डूंगरपुर में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश धाकड़ ने दी।

सांख्यिकी प्रकोष्ठ का प्रशिक्षण सम्पन्न

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर श्री अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को विधानसभा उप चुनाव-2024 निर्वाचन क्षेत्र (चौरासी) की तैयारी के मद्देनजर सांख्यिकी सूचनाओं के बेहतर व समयबद्ध संकलन एवं प्रेषण के लिए गठित सांख्यिकी प्रकोष्ठ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक अमित शर्मा एवं शांतिलाल डामोर सहायक सांख्यिकी अधिकारी ने सांख्यिकी सूचनाओं के संकलन व पीएस-05 में भरे जाने वाले समस्त आंकड़ो की जांच कर संकलन करने व डेटा तैयार कर निर्वाचन आयोग को त्रुटि रहित भिजवाने के लिए सभागार में उपस्थित कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

करमाल चौराया में आयुर्वेदिक हर्बल का अदिवसीय शिविर का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

करमाल।पाली जिले में आयुर्वेद हर्बल का वैद्य लाडू नाथ माराज के आदेश आयुर्वेदिक हर्बल ओर रिचर्स व करमाल सरपंच के तत्वावधान में करमाल चौराया जोजावर रोड, तह. मा. जं में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आदेश आयुर्वेदिक रिचर्स की ओर से लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और निशुल्क दवाइयां भी वितरित की। वैद्य लाडू नाथ माराज ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ रही बीमारियों को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा का अभाव होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसका लाभ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मिले। वैद्य लाडू नाथ माराज ने शिविर में आए लोगों को आयुर्वेदिक चिकित्सा के बारे में बताया। सुबह 9 से शाम 1 बजे तक रोगियों के विभिन्न रोगों की जांच कर उचित-परामर्श देने के साथ संबंधित रोगों के लिए निःशुल्क आयुर्वेदिक दवाइयां भी दी गईं। शिविर में वैद्य लाडु माराज व अपनी टीम के साथ लकवा, जोड़ों का दर्द, गठिया बाय, बीपी,मसा, भंगदर, ट्युमर, घुटने का दुखावा (सुजना), पाव कि ऐडी का दुखावा माइग्रेन, पेरालिसिस (लकवा) गठीया, कमर का दुखावा, किटनी, यकृत पलिहा, तिल्ली, गुर्दे का दुखावा, हृदय रोग, लिवर, सायटीका, गेगरीन अल्सर, डायबिटीज (सुगर), खुजली, चर्मरोग, श्वास, ऐलंजी, पेट का रोग, पेट का फुलना, मेद, कब्जीयात, थाईरोड, गलगंड, गले का दुखावा, गेस, ऐसीडीटी, हाथ का धूजारा, माथे का हिलना (वाईब्रेट), खुजली, पथरी का दुखावा, ना मर्द, (नपुंसकता) स्त्री रोग, लिकोरिया, लाल व सफ़ेद प्रदर, पेशाब में झलन, कैंसर, शुगर सहित सभी प्रकार की बीमारियों का आयुर्वेदिक पद्धति से मरीजों की जांच और उपचार किया गया। शिविर में मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श के साथ उन्हें दवाएं भी मुफ्त में प्रदान की गई। आपको बता देकी आदेश आयुर्वेदिक रिचर्स संस्थान द्वारा कैम्प में दमा, गठिया, मधुमेह सहित कई रोगों की हुई जांच, 438 मरीजों का उपचार कर दी निशुल्क दवाइयां शिविर में सरपंच प्रतिनिधी किरण मदनसिंह चौहान (करमाल चौराया) सरपंच उम्मीदवार रतनसिंह कुम्पावत, गुड़ा दुर्जनसिंह, जीतूनाथ का सहयोग रहा।

छठी मैया की पूजा अर्चना कर सूर्य को अर्घ्य देकर की उपासना

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। साँगानेंर के मदरामपुरा में हर वर्ष की भाती विशाल कार्यक्रम का आयोजन हुआ। पूर्वी भारत में विशेष कर मनाए जाने वाले त्यौहार के रूप में छठ पूजा की मान्यता दिवाली से बढ़कर मानी जाती है। भारत के हर कोने में बिहार से आए हुए लोग रहते है व अपनी संस्कृति को बनाए हुए है। आयोजन कर्ता राजन यादव ने बताया कि छठ पूजा के पर्व पर दशकों से यहां छठ मैया की पूजा की जाती है पहले लोग इतने जागरूक नहीं थे पर समय के साथ साथ लोगों का जुड़ाव होता गया और आज हजारों की तादात में प्रवासी बिहारी माता बहिनें एकत्रित होकर सूर्य षष्ठी (छठ पूजा) मनाती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता अंशु मैंदवास पहुँच कर सभी लोगो को बधाई दी व छठी मैया की पूजा कर सभी लोगो के घर में अमन शांति की प्रार्थना की। मैंदवास ने बताया कि उगते सूरज की तो सभी लोग पूजा करते है एकमात्र बिहारी समाज ही ऐसा है जो सूर्य उदय से लेकर सूर्यास्थ तक प्रत्येक रूप की पूजा करता है। इस कार्यक्रम सुरेश यादव,उमेश पांडे, मटुक तिवाड़ी, सोनू बिंद,मनमोहन गुप्ता,राकेश पांडे अन्य कार्यकर्ता मिलकर हर वर्ष व्यवस्था को देखते है।

भिंडर में एडीजे. न्यायालय की अधिसूचना जारी कराने की मांग को लेकर सोपा मुख्यमंत्री को ज्ञापन

■ संजीवनी टुडे

भिंडर। गुरुवार बार एसोसिएशन भिंडर ने भिंडर में एडीजे न्यायालय की पुर्व मै घोषणा होने के बावजूद भी अभी तक नगर में एडीजे न्यायालय की अधिसूचना जारी नहीं होने के विरोध में स्थानीय बार एसोसिएशन ,भिंडर द्वारा धरना प्रदर्शन किया और उपखंड अधिकारी जी भिंडर को ज्ञापन सोपा गया ज्ञापन में बताया कि भिंडर में एडीजे न्यायालय की घोषणा हुए काफी समय हो चुका है, परंतु सरकार द्वारा अभी तक अधिसूचना जारी नहीं की गई है , इस कारण क्षेत्र के नागरिकों एवं अधिवक्तागणों में भारी आक्रोश है, तथा वर्तमान सरकार पर भिंडर नगर के साथ सौतेला व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है ,जबकि वर्तमान सरकार द्वारा वल्लभनगर में आरएए न्यायालय एवं कानोड में उपखंड न्यायालय कैंप की घोषणा की गई है, जिनकी अधिसूचना जारी कर दी गई है एवम न्यायिक कार्य भी शुरू हो चुका है परंतु , भिंडर में स्वीकृत एडीजे न्यायालय की अधिसूचना जारी नहीं की गई है, जिससे रोष व्याप्त करते हुए करते हुए सरकार भींडर में जल्द से जल्द एडीजे न्यायालय की अधिसूचना जारी करें साथ ही भिंडर नगर मे आरएए कैंप की भी मांग करते हुए बार एसोसिएशन भिंडर द्वारा मुख्यमंत्री जी राजस्थान सरकार को उपखंड अधिकारी भिंडर के मार्फत ज्ञापन भी प्रेषित किया है, तथा ज्ञापन में मांग की गई की यदि सरकार द्वारा शीघ्र ही मांग पूरी नहीं की गई तो इसको जन आंदोलन बनाया जायेगा , साथ ही इस आंदोलन को पंचायत समिति,भिंडर के सभी ग्राम पंचायतो तक पहुंचाने की रणनीति तय की गई,इस अवसर पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष लक्ष्मण गिरि गोस्वामी, पूर्व अध्यक्ष कैलाश चंद्र चौबीसा, सुशील जी जैन, निर्मल सिंह शक्तावत, राजमल मेनारिया , प्रकाश चौधरी, कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार खटीक, सुरेंद्र कुमार चौबीसा , मनोज रेगर, चेतन जैन, विकास जोशी ,प्रेम सिंह मोटावत ,दीपक आमेटा ,लोकेश शेर, राम सिंह रावत, कैलाश चंद्र खारीवाल , चोबिसा, ,उमेश माली , अनिरुद्ध आमेटा,मोहम्मद साजिद गोरी, दर्शन शर्मा , मनोज रेगर , , मदन मेघवाल , आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण

■ संजीवनी टुडे

बीसीएमओ ऑफिस एवं पीएचसी के लिये उपयुक्त भुमि का किया मौका निरीक्षण

राजसमंद। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने गर्भवती महिलाओं, शिशुओं एवं किशोरीयों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें उनके घर के पास उपलब्ध करवाने के लिये चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित किये जा रहे मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने सेमल में औचक निरीक्षण किया तथा चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ ही वहां उपस्थित आशा सहयोगिनियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के लिये आवश्यक दिशा निर्देश दियें। उन्होंने चिकित्सा संस्थान के आस - पास में साफ - सफाई के लिये विशेष दिशा निर्देश दिये तथा तत्काल संस्थान परिसर के आस पास में स्वच्छता के लिये कहा। उन्होंने चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ निरज यादव से आयुष्मान कार्ड के वितरण एवं ईकेवाईसी कार्य को लेकर आवश्यक जानकारी ली तथा आयुष्मान कार्ड का वितरण शत प्रतिशत करने तथा ई केवाईसी का कार्य शीघ्र पूरा करने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से ग्राम पंचायत मुख्यालय के साथ ही फलो एवं भागलो जैसे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर वहां ग्रामीणो को विभाग अन्तर्गत संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने सेमल गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन एवं देलवाड़ा खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय भवन निर्माण के लिये चयन की गई भुमि का भी मौका निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उनके साथ खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल चौधरी उपस्थित थे।

रजवाड़ों को लेकर राहुल गांधी के बयान का विरोध

■ संजीवनी टुडे

नाथद्वारा/उदयपुर। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को समाचार पत्रों में प्रकाशित उनके एक लेख के कुछ अंश में रजवाड़ों को लेकर दिए गए बयान का नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने पुरजोर शब्दों में विरोध जताया है। एक लेख में राहुल गांधी ने लिखा था, ह्लईस्ट इंडिया कंपनी ने हमारे महाराजाओं और नवाबों के साथ साझेदारी करके, उन्हें प्रलोभन देकर और धमकाकर भारत का गला घोंट दिया। इसने हमारे बैंकिंग, व्यापार और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित किया। इस बयान पर नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि भारत सरकार द्वारा राज्यों पर श्वेत पत्र मार्च, 1950 में जारी किया था उसमें स्पष्ट रूप से वर्णित था कि ह्लराजाओं के देशभक्तिपूर्ण सहयोग के बिना, भारत में लोगों और शासकों के पारस्परिक लाभ के लिए जो जबरदस्त परिवर्तन आया है, वह संभव नहीं होता। उन्होंने कल्पना, दूरदर्शिता और देशभक्ति का सबूत दिया है। वे स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत के निर्माण में सह-वास्तुकार हैं नाथद्वारा विधायक श्री मेवाड़ ने कहा कि राहुल गांधी ने अखबारों में प्रकाशित लेख गलत है। या तो उनके पास देश के इतिहास के बारे में ठीक से जानकारी नहीं है, या जानबूझकर गलत प्रचार कर रहे हैं, जो देश भक्तों का अपमान है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को भारत सरकार द्वारा मार्च,1950 में जारी श्वेत पत्र जरूर देख लेना चाहिए।

विधानसभा उपचुनाव: सामान्य प्रेक्षक ने किया ईवीएम सीलिंग कार्य का निरीक्षण

होम वोटिंग में गुरुवार को 151 मतदाताओं ने लोकतंत्र के प्रति निभाया फर्ज़

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। विधानसभा उपचुनाव-2024 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जारी है। गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त सामान्य प्रेक्षक जे विजयारानी ने फहत स्कूल में ईवीएम सीलिंग कार्य का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने उप चुनाव के लिए नियुक्त सभी अधिकारी-कार्मिकों को निर्वाचन विभाग की गाइडलाइन की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करते हुए सभी सौंपे गये दायित्वों को निर्वहन करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इधर सलूंबर विधानसभा क्षेत्र में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 85 वर्ष से अधिक आयु तथा 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले चिह्नीत मतदाताओं के लिए होम वोटिंग का प्रथम चरण जारी है। सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र में होम वोटिंग के चौथे दिन गुरुवार को कुल 151 मतदाताओं ने घर बैठे मतदान कर अपना फर्ज़ निभाया। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निर्देशन में होम वोटिंग टीमों ने बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर पहुंच कर मत की गोपनीयता का पूर्ण ध्यान रखते हुए उनसे मतदान कराया। घर बैठे मतदान का मौका मिलने से पात्र मतदाता पूरे उत्साह के साथ लोकतंत्र के प्रति अपना दायित्व निभाते हुए निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन की टीम का आभार जता रहे है। रिटर्निंग अधिकारी सलूम्बर पर्वत सिंह चुंडावत ने बताया कि गुरुवार को 128 वरिष्ठ नागरिक तथा 28 दिव्यांगजन मतदाताओं की होम वोटिंग के लक्ष्य के मुकाबले क्रमशः 124 वरिष्ठ नागरिकों और 27 दिव्यांग सहित कुल 151 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। 9 एवं 10 नवम्बर को प्रस्तावित द्वितीय चरण में मतदान दल पुनः उक्त अनुपस्थित मतदाताओं के घर पर जाकर मतदान कराने का प्रयास करेंगे। दूसरी बार भी अनुपस्थित रहने वाले मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग नहीं कर पाएंगे।

कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

भीण्डर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा भीण्डर के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन नगर के रा उ प्रा वि ओडापाडा में किया गया बैठक की अध्यक्षता उपशाखा अध्यक्ष मदन चौबीसा ने की मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य भूपेन्द्र आमेटा व विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश वया पूर्व जिला सभाध्यक्ष जगदीश प्रसाद सुथार, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश चौबीसा, जिला सचिव माध्यमिक शिक्षा प्रहलाद चौबीसा, क्षैत्रीय संगठन मन्त्री सतीश आमेटा व डूंगला उपशाखा अध्यक्ष प्रकाश कुदाल थे उपशाखा मन्त्री ललित सोमानी ने बताया कि बैठक में जिला महिला अध्यापिका सम्मेलन में उपशाखा का अधिकाधिक प्रतिनिधित्व,उदयपुर में शिक्षक संघ के निर्माणाधीन भवन हेतु आर्थिक सहयोग , प्रधानाचार्य विचार गोष्ठी, कर्तव्य बोध पखवाड़ा, कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग आदि विषयों पर चर्चा कर कार्य योजना बनाई गई साथ उपशाखा कार्यकारिणी के निर्वाचन के पश्चात रिक्त पदों पर सहवरण किया गया जिसमें उपशाखा संगठन मन्त्री के पद पर प्रेमसुख सामरिया व संयुक्त मन्त्री नरेश सोनी सहित विभिन्न पदों के अलावा क्षैत्रीय संगठन मन्त्री का मनोनयन किया गया एवं शैक्षिक समस्याओं का संकलन किया गया बैठक में दिनेश चौबीसा, मनोज मुणेत, चन्द्र प्रकाश चौबीसा, जगदीश गौठड, उमेश जोशी,गिरीश चौबीसा, लालशंकर चौबीसा, राजेश्वर कडवावत आदि उपस्थित थे संचालन उपशाखा मन्त्री ललित सोमानी ने किया आभार व धन्यवाद जिला सचिव माध्यमिक शिक्षा प्रहलाद चौबीसा ने किया बैठक के अन्त में संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व चन्द्र शेखर जी परसाई जी को श्रद्धांजलि दी गई।

14 को उपखंड और 21 को जिला स्तरीय जनसुनवाई का होगा आयोजन, ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई हुई आयोजित, सुनी समस्याएं

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। आमजन की समस्याओं और शिकायतों के निस्तारण हेतु त्रिस्तरीय जनसुनवाई शिविर का आयोजन नवंबर माह के प्रत्येक गुरुवार को निर्धारित किया गया है। यह शिविर ग्राम पंचायत, उपखण्ड, और जिला स्तर पर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें संबंधित अधिकारी आमजन की शिकायतों पर सुनवाई करेंगे और निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। जिले में सभी ग्राम पंचायत स्तर पर माह के प्रथम गुरुवार, 07 नवम्बर 2024 को ग्राम स्तरीय जनसुनवाई हुई। उपखण्ड स्तर पर द्वितीय गुरुवार, 14 नवम्बर 2024 को जनसुनवाई होगी। जिला स्तर पर तृतीय गुरुवार, 21 नवम्बर 2024 को जिला स्तरीय जनसुनवाई होगी जिसमें जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का समाधान करेंगे। अधिकारी राजस्थान संपर्क पोर्टल और जनसुनवाई में दर्ज विभिन्न स्तरों पर लंबित एवं निस्तारित परिवादों की नवीनतम प्रगति रिपोर्ट के साथ स्वयं उपस्थित होंगे। इसके अतिरिक्त जिला स्तरीय अधिकारी संभावित प्रकरणों का पूर्व चित्रिकरण करते हुए संबंधित परिवादियों को शिविर में उपस्थित होने हेतु पूर्व सूचना देंगे। ऐसे प्रकरण जिनका समाधान एक से अधिक विभागों के समन्वय से होना है, उन मामलों की सूची भी संपर्क पोर्टल पर दर्ज कर जनसुनवाई शिविर में प्रस्तुत की जाएगी।

ग्रीन पीपल समिति की मासिक बैठक में हुई वृक्षारोपण व सौंदर्यीकरण पर चर्चा

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध ग्रीन पीपल समिति की मासिक बैठक गुरुवार को फील्ड क्लब में आयोजित हुई। बैठक के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने एमपीयूएटी परिसर में वृक्षारोपण और भूताला गांव में सौंदर्यीकरण पर चर्चा करते हुए आगामी कार्य योजना पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी उदयपुर के साथ वृक्षारोपण के प्रयासों को गति देने पूर्व में वीसी कक्ष में आयोजित बैठक में हुई वार्ता व सहमति के मद्देनजर एमओयू का ड्राफ्ट तैयार कर भिजवाने का निर्णय लिया। तदनुसार विश्वविद्यालय परिसर में मिलने वाली भूमि पर वृक्षारोपण कर हरियाली बढ़ाने के कार्य को हाथ में लेने का निर्णय लिया गया। भूताला गांव में तालाब व पहाड़ों के साथ अन्य जगह हुए सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए यहां एक विजिट करने की बात कही। सदस्यों ने शहर के पार्कों को प्रशासन के सहयोग से और अधिक सुंदर बनाने का सुझाव दिया। बैठक में ग्रीन पीपल समिति के सदस्य डॉ ललित जोशी को भारत सरकार ने एनिमल हसबेंडरी के मिशन हेतु राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त होने एवं सोसायटी के सचिव डॉ.सतीश कुमार शर्मा को इटली भ्रमण कर उदयपुर लौटने पर शुभकामनाएं दी। बैठक में एडीजी पुलिस हाउसिंग आईपीएस विनीता ठाकुर भी पहुंचीं जिनका सदस्यों ने बुके देकर स्वागत-अभिनंदन किया। सज्जनगढ़ अभयारण्य क्षेत्र में किए गए लेंटाना उन्मूलन के कार्यक्रम को याद करते हुए जीपीएस सदस्यों ने सुझाव दिया कि जीपीएस उनके पुलिस विभाग के कार्यालय, प्रशिक्षण संस्थानों में व अन्य परिसरों में वृक्षारोपण के लिए तैयार है और इस हेतु एक एमओयू भी किया जा सकता है। जिस पर विनीता ठाकुर ने सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि उदयपुर में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर से भी यह कार्य प्रारंभ किया जा सकता है। बैठक में समिति सदस्य श्याम दवे, यासीन पठान, इंद्रजीत माथुर, सोहेल मजबूर, शरद श्रीवास्तव, ललित जोशी, एसके वशिष्ठ, प्रताप सिंह, अरुण सोनी, गौरव द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में सोलर एनर्जी की अपार संभावनाएं: दीपक गादिया

तीन दिवसीय महाफ़ेस्ट 'इनोफ़ेस्ट' का भव्य शुभारंभ, राज्यपाल ने की विधिवत शुरूआत

■ संजीवनी टुडे

जयपुर । राजस्थान प्रदेश के पास सोलर एनर्जी की अपार संभावनाएं हैं, सोलर पावर के लिए आवष्यक सूरज और जमीन यहां पर्याप्त उपलब्धता है। ये कहना है फादर ऑफ इंडियन सोलर एनर्जी दीपक गादिया का। वे गुरूवार को पोद्दार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स और फ़ेडरेशन ऑफ यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स एंड इंडस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय महाफ़ेस्ट 'इनोफ़ेस्ट' के पहले दिन लाइफ चेंजिंग स्पीच 'आत्मनिर्भर इनसाइट्स' में एक्सपर्ट के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश के राज्यपाल हरिभाउ बागडे ने किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा तकनीक, नवाचार एवं स्टूडेंट्स के सहयोग के चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। पहले दिन विभिन्न सत्रो में आत्मनिर्भर इनसाइट्स, व्यापार विमर्श, शार्क टैंक हाउस समेत अन्य कार्यक्रमों में पैनल और सिग्नेचर टॉक का आयोजन किया गया।

आयोजन में पहले दिन फादर ऑफ इंडियन सोलर एनर्जी दीपक गादिया, यू-ट्यूबर रजत अरोडा, एमएसएमई बिजनेस फोरम इंडिया निदेशक रवि नंदन सिन्हा, इनक्यूबेशन जिम्स के हेड डा. राहुल अमृतराज, एंजेल इन्वेस्टर शशिकांत चौधरी समेत बडी संख्या में अपने क्षेत्र की जानी मानी हस्तियां रूबरू हुए और अपने क्षेत्र के विभिन्न आयामों एवं नवाचारों से श्रोताओं को रूबरू करवाया। कार्यक्रम की आर्गेनाइजिंग सैक्रेट्री सरगम पोद्दार ने बताया कि तीन दिन तक पूरे देश से विभिन्न क्षेत्रो के एक्सपर्ट शिरकत कर रहे हैं। पोद्दार ग्रुप के चेयरमेन डॉ. आनंद पोद्दार ने बताया कि इस महाफ़ेस्ट में रोजगार के अवसर बढाने, प्रदेश में राईजिंग राजस्थान से पूर्व यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर एग्जिबिशन का भी आयोजन किया गया जिसमे स्टूडेंटस ने अपने विभिन्न प्रोजेक्ट शोकेस किए। आयोजन में शार्ट टैंक हाउस में प्रसिद्ध स्टार्टअप्स गोल्डन फैदर, ग्लेडफुल नीमा एआइ, लाईफ केयर फार्मेसी इंडीगिफ्ट समेत अन्य स्टार्टअप्स की ओर से पैनल डिस्कशन में हिस्सा लिया। दीपक गादिया ने कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट को शुरूआत करने का इंतजार नहीं, शुरूआत कीजिए। उन्होंने सोलर एनर्जी को गांव-गांव तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हीट को कूलिंग में उपयोग लेने के प्लान्ट स्थापित करने होंगे। डॉ. आनंद पोद्दार ने कहा कि प्रदेश में सोलर एनर्जी सिस्टम को बेहतर करने के लिए संयुक्त रूप से गादिया के मार्गदर्शन में काम किया जाएगा। रविचन्द्रन सिन्हा ने कहा कि पूरे देष में 7 करोड एमएसएमई है जो कि आर्थिक व वैश्विक प्रगति में विशेष स्थान रखते हैं। उन्होंने एमएसएमई के लिए इको सिस्टम को बेहतर रूप से विकसित करने की आवश्यकता बताई। सीडबी के अशोक पांडेय ने एमएसएमई के लिये नई स्कीम्स के वारे में बताया।यू-ट्यूबर रजत अरोडा ने सही समय पर सही कंटेंट डालने की बात कही।

ब्रिटेन यात्रा पर केंद्रीय मंत्री शेखावत, पर्यटन को लेकर कीं द्विपक्षीय बैठकें

■ संजीवनी टुडे

लंदन। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत इनदिनों ब्रिटेन की यात्रा पर हैं। उन्होंने वहां फ्रांस, सऊदी अरब और बहरीन के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। शेखावत ने कहा कि हमने पर्यटन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सांस्कृतिक विनिमय और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए यात्रा की शक्ति का उपयोग इस नए वैश्विक व्यवस्था में विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित भारत के लिए ''वसुधैव कुटुंबकम'' पर जोर देने के लिए समय की जरूरत है। शेखावत ने विश्व यात्रा बाजार (डब्ल्यूटीएम) लंदन में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक यात्रा उद्योग के नेताओं के साथ जुड़ने, नए स्थलों की खोज करने और भारत के विविध पर्यटन प्रसाद को प्रदर्शित करने के लिए

एक उत्कृष्ट मंच है। विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय के अवलोकन को यादगार बताते हुए शेखावत ने कहा कि ब्रिटेन और भारत के संबंधों की एक साझा सांस्कृतिक विरासत भी है। मेरे लिए दक्षिण एशिया गैलरी विशेष रही, जहां 5 हजार वर्षों की भारतीय विरासत का अद्भुत संग्रह देखने को मिलता है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने लंदन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी और भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों के साथ टूरिज़्म सेक्टर के बड़े नामों से मुलाकात भी की।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च किया 'नाइजेला प्रो' मिक्सर ग्राइंडर, रसोई के काम को बनाएगा आसान और तेज

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नाइजेला प्रो 500वाट मिक्सर ग्राइंडर लॉन्च कर अपने किचन अप्लायंसेज की रेंज को और बढ़ा दिया है। यह नया मिक्सर ग्राइंडर रसोई के कामों को आसान बनाने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। इसकी 500वाट पावरट्रॉन मोटर तेजी से पीसने और ब्लेंड करने में मदद करती है, जिससे खाना बनाते समय आपका समय बचेगा। नाइजेला प्रो का स्टाइलिश डिज़ाइन और पावरफुल परफॉर्मेंस इसे हर रसोई के लिए एक जरूरी उपकरण बनाते हैं। क्रॉम्प्टन की यह पेशकश आधुनिक तकनीक और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जो इसे आपकी रसोई का एक भरोसेमंद साथी बनाती है। क्रॉम्प्टन नाइजेला प्रो मिक्सर ग्राइंडर को रसोई के कामों को आसान बनाने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। यह मिक्सर ग्राइंडर आपकी कुकिंग को तेज और सुविधाजनक बनाता है, क्योंकि इसमें पीसने, ग्राइंड करने, स्टोर करने और साथ ले जाने के लिए कई तरह के जार्स दिए गए हैं। नाइजेला प्रो आपकी रसोई का भरोसेमंद साथी है, जो लगातार 30 मिनट तक बिना रुके काम कर सकता है। इससे आप बिना किसी परेशानी के जटिल रेसिपीज भी तैयार कर सकते हैं। चाहे आप सुबह जल्दी में स्मूदी बना रहे हों, बेबी फूड तैयार कर रहे हों, या स्वादिष्ट चटनी पीसना चाह रहे हों ऽ यह सिर्फ एक मिक्सर ग्राइंडर नहीं है, बल्कि आपके जीवन को आसान और बेहतर बनाता है। 500वाट की पावरफुल पावरट्रॉन मोटर से लैस, नाइजेला प्रो मिक्सर आसानी से कड़ी से कड़ी चीजों को पीसने में सक्षम है

और आपका समय भी बचाता है। इसमें दिए गए ग्राइंड, ब्लेंड, स्टोर और कैरी जार्स आपकी सभी रसोई संबंधी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के पीएल हेड, केतन चौधरी ने नाइजेला प्रो मिक्सर ग्राइंडर के बारे में बताया, ''हम नाइजेला प्रो के लॉन्च से बेहद उत्साहित हैं। यह प्रोडक्ट रसोई में काम को आसान और मजेदार बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसकी मदद से लोग बिना किसी परेशानी के पौष्टिक स्मूदी से लेकर स्वादिष्ट चटनी तक आसानी से बना सकते हैं। जंग और लीकेज से मुक्त स्टेनलेस स्टील के जार्स वाला नाइजेला प्रो भारत के घरों में ब्लेंडिंग का अनुभव बदलने के लिये तैयार है। इसकी कीमत 3500 रूपये है और यह क्रॉम्प्टन की सभी अधिकृत रिटेल दुकानों तथा प्रमुख ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

साइकिल प्योर अगरबत्ती ने अयोध्या में 121 फीट ऊंची अगरबत्ती जलाकर इतिहास रचा

■ संजीवनी टुडे

अयोध्या। सायकल प्योर अगरबत्ती, भारत का प्रमुख घरेलू पूजा ब्रांड, रघुकुल फाउंडेशन के साथ मिलकर अयोध्या के भारतकुंड महोत्सव में एक अद्वितीय 121 फीट की अगरबत्ती के साथ भव्यता, दिव्यता और आकर्षक खुशबू का अनुभव प्रदान किया। सात दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन अयोध्या के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी और कमांडो अधिकारी आशुतोष तिवारी द्वारा अपनी तरह की सबसे बड़ी अगरबत्ती जलाकर किया गया। 121 फीट की अगरबत्ती के प्रज्वलन पर टिप्पणी करते हुए, अर्जुन रंगा, प्रबंध निदेशक, सायकल प्योर अगरबत्ती ने कहा, हमारी आत्मा में आध्यात्मिकता है और हम कलाकार समुदाय को समर्थन देने और लोगों के जीवन में आशा लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह 121 फीट की अगरबत्ती उसी वादे को साकार करती है, अपनी मनमोहक खुशबू के माध्यम से खुशियाँ फैलाती है और शिल्प कौशल का जश्न मनाती है - प्रेरणा और समर्थन की हमारी साझा यात्रा के लिए एक श्रद्धांजलि।'' सायकल प्योर अगरबत्ती की 121 फीट लंबी

कृति को 18 कुशल व्यक्तियों की एक समर्पित टीम ने 23 दिनों में तैयार किया, जिसमें शुभ दशांग (शहद, कोनगरी गड्डे, घी, चंदन पाउडर, गुग्गुल, अगरू, सम्ब्रानी, देवदारू, लोबान और सफ़ेद सरसों) के साथ-साथ चारकोल, जिगट और गुड़ जैसे हाथ से चुने गए सामग्री का उपयोग किया गया। निर्माण प्रक्रिया में सायकल प्योर की विशेषज्ञ टीम द्वारा विकसित एक अनूठी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है ।

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस के वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे, ग्रॉस रिटन प्रीमियम 15%, शुद्ध मुनाफा 15% बढ़ा

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी (एसजीआई) का ग्रॉस रिटन प्रीमियम (जीडब्ल्यूएस) वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 15% की बढ़ोतरी के साथ 861 करोड़ रुपए हो गया जो वित्तीय वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 750 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही कीबात करें तो यह जीडब्ल्यूएस 22% की बढ़ोतरी के साथ 2023-24 की पहली छमाही के 1,310 करोड़ रुपए के मुकाबले बढ़कर 1,594 करोड़ रुपए हो गया।इसकी तुलना में सामान्य बीमा क्षेत्र की ग्रोथ महज 7% ही रही। यानी श्रीराम जनरल का प्रदर्शन इंडस्ट्री से कहीं बेहतर रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में कंपन ने कुल 2,732,906 पॉलिसी जारी कीं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 17% बढ़कर 217 करोड़ रुपए से बढ़कर 254 करोड़ रुपए हो गया। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 102,449 क्लैम सेटल किए जो 2023-24 की पहली छमाहीमें कुल 86,708 क्लैम सेटल किए थे। 30 सितंबर 2024 को कंपनी का सॉल्वेंसी रेशियो 3.93 था। जो नियामक के अनुसार 1.50 ही होना चाहिए। यानीकंपनी का सॉल्वेंसी रेशियो इससे कहीं बेहतर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में कंपनी की लाइव पॉलिसी की संख्या बढ़कर 62.83 लाख हो गईंजो 2023-24 की पहली छमाही में 60.19 लाख थीं। श्रीराम

जनरल के एमडी व सीईओ अनिल अग्रवाल ने कहा, ''हमारी मजबूत जीडब्ल्यूपी ग्रोथ हमारे ग्राहक आधारित समाधान के प्रति समर्पण का प्रमाण हैं, खासतौर पर मोटर सेगमेंट में। अब हम हेल्थ और एमएसएमई इंश्योरेंस के क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ा रहे हैं। यहां हम अपनी उन्नत और परिचालन दक्षता की मदद सेअपनी ऑफरिंग को बढ़ाकर टिकाऊ वृद्धि हासिल करेंगे। 'बीमा नियामक आईआरडीआई के विजन के अनुसार 2030 तक 2 लाख एजेंट जोड़ेंग। अनिल अग्रवाल ने कहा, एसजीआई के बिजनेस मॉडल में वित्तीय सलाहकारों का अहम रोल है। उनके महत्व को स्वीकारते हुए हम बीमा नियामक के लक्ष्य''2047 सबको बीमा' के लक्ष्य में अपना योगदान देते हुए बीमा की वैल्यू को प्रमोट कर रहे हैं। बीमा सलाहकार हमारे ऑपरेशंस की रीढ़ हैं। वे ग्रामीण और शहरीदोनों क्षेत्रों में बीमा की जागरुकता बढ़ाने के लिए एंबेसडर की भूमिका निभा रहे हैं। हम इन बीमा सलहाकारों की बड़े पैमाने पर भर्ती करके अब तक बीमा सेवा सेवंचित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि बीमा के उत्पाद अंतिम पायदान के आदमी तक पहुंचे। इस साल एसजीआई ने 20 हजार नए सलाहकार अपने नेटवर्क में जोड़ेगी। इस साल के अंत तक हम इसकी संख्या 79,832 से बढ़ाकर 90,000 तक पहुंचा देंगे।कंपनी 2030 तक अपने एजेंट की संख्या बढ़ाकर 2 लाख करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह समाज के सभी वर्गों तक बीमा के उत्पाद पहुंचाने की उसकीप्रतिबद्धता के तहत किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही तक कंपनी की 26 राज्यों में 278 ब्रांच हैं, पिछले वर्ष इन ब्रांच की संख्या 252 थी। कंपनी के देशभर में 4,049 कर्मचारी थे। पिछले साल इनकी संख्या 3,847 थी। कंपनी को मौजूदा समय में 92% जीडब्ल्यूपी मोटर इंश्योरेंस सेगमेंट से आता है। शेष 8% ही गैर मोटर सेगमेंट जैसे फायर,इंजीनियरिंग और अन्य उत्पादों से आरहा है। कंपनी अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के उद्देश्य से दोबारा फसल बीमा के क्षेत्र में जा रही है। साथ ही वह नए हेल्थ उत्पाद भी लॉन्च कर रही है।एसजीआई का लक्ष्य 2023 तक मोटर इंश्योरेंस से मिलने वाले जीडब्ल्यूपी को 92% से घटाकर 85% लाने और गैर मोटर सेगमेंट के जीडब्ल्यूपी को 8% सेबढ़ाकर 15% तक पहुंचाने का है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक की सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट, ग्रीन बैंकिंग के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, जो पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों को अपने मुख्य परिचालन में एकीकृत करने की दिशा में बैंक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यू-सस्टेन शीर्षक वाली यह व्यापक रिपोर्ट, सतत विकास और जिम्मेदार बैंकिंग को बढ़ावा देने में बैंक की रणनीतिक पहलों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है। ईएसजी रणनीतिः बैंक की ईएसजी नीति, जलवायु जोखिम प्रबंधन और संधारणीय संसाधन उपभोग के बारे में विस्तृत जानकारी। पर्यावरण पहलः ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने में उपलब्धियां। सामाजिक प्रभावः वित्तीय समावेशन, सामुदायिक जुड़ाव और कर्मचारी विविधता और विकास में प्रयास। शासनः पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को सुनिश्चित करने वाला मजबूत शासन ढांचा। सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ, श्री गोविंद सिंह ने कहा, हमें अपनी पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट पेश करते हुए खुशी हो रही है, जो ईएसजी सिद्धांतों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड में, हम मानते हैं कि संधारणीय बैंकिंग केवल एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने का एक मार्ग है। यह रिपोर्ट हमारे समय की दबावपूर्ण पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हुए एक लचीले और समावेशी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

लेक्सलेजिस.एआई प्रस्तुत करता है इंटरैक्ट कानूनी दस्तावेज़ों के प्रबंधन के लिए एक परिवर्तनकारी ए.आई. समाधान

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। विधिक टेक्नोलॉजी और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एल.एल.एम.) में सबसे आगे, लेक्सलेजिस.एआई ने परिवर्तनकारी सुविधा, इंटरैक्ट के पेशकश की घोषणा कर दी है, जिसे कानूनी व्यावसायियों द्वारा दस्तावेज़ की कार्य-प्रणाली का प्रबंधन, विश्लेषण और उन्हें अनुकूलित करने के तरीके को बदलने के लिए तैयार किया गया है। एक शक्तिशाली लीगल सर्च टूल के रूप में लेक्सलेजिस.एआई की प्रतिष्ठा पर आधारित, इंटरैक्ट कानूनी प्रक्रियाओं को और भी अधिक सुचारु, तेज़ और अधिक कुशल बनाने के लिए ए.आई.-आधारित क्षमताओं को एकीकृत करते हुए इस प्लैटफ़ॉर्म के विकास को केस प्रबंधन के एक संपूर्ण समाधान के रूप में प्रदर्शित करता है। दस्तावेज़ों की तुलना, विश्लेषण और अंतर्दृष्टि के प्राप्तिकरण के लिए कुशल उपकरणों के साथ कानूनी व्यावसायियों को सशक्त बनाने की इसकी क्षमता इंटरैक्ट का मुख्य आधार है। एकल, इंट्यूइटिव इंटरफ़ेस के साथ, इसका उपयोग करने वाले अब ये कार्य कर सकते हैं। कानूनी दस्तावेज़ों की तुलना करनाः अंतरों की पहचान करने और संगतता को सुनिश्चित करने के लिए अनुबंधों, करारों या केस की फाइलों की सहजता से तुलना करना।

महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करनाः लंबे कानूनी दस्तावेज़ों से महत्वपूर्ण विवरण प्राप्त करने या

पी.डी.एफ. और चित्रों से लिखित सामग्री को स्कैन करने के लिए ए.आई. का लाभ उठाना, जिससे स्वयं ढूँढने के प्रयास न करने पड़ें। दस्तावेज़ों का अनुवादः कानूनी विषय-सामग्री को स्वचालित रूप से विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करना, जिससे सीमा पार के मामलों और सहयोगों को सुविधाजनक बनाया जा सके। जोखिम का विश्लेषणः दस्तावेज़ों के भीतर संभावित जोखिमों या विसंगतियों की तुरंत पहचान करना, जिससे निर्णय लेने में बेहतर सहायता मिलती है। लेक्सलेजिस.एआई के संस्थापक, साकार एस. यादव ने कहा, ''इंटरैक्ट कानूनी दस्तावेज़ों प्रबंधन को अगले स्तर पर ले जाता है। इसका उद्देश्य केवल शोधकार्य को तेज़ करना नहीं है—बल्कि उन कार्यों को स्वचालित करना है जिनके लिए बहुत परिश्रम करना पड़ता है और जो अक्सर विधिक कार्य-प्रणाली की रफ़्तार को धीमा कर देते हैं, जिससे व्यावसायी महत्वपूर्ण निर्णयों और केस के सर्वश्रेष्ठ परिणामों पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते हैं।''

विधिक कार्यप्रवाह में मुख्य चुनौतियों का समाधान करते हुए

इंटरैक्ट सुविधा को कानूनी टीमों द्वारा सदा बार-बार सामना की जाने वाली कुछ चुनौतियों से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया है - विशेष रूप से बड़ी मात्रा में विधिक लिखित सामग्री की समीक्षा और विश्लेषण की समय लगने वाली प्रक्रिया। यह उपकरण तुरंत महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, मानवीय त्रुटि के जोखिम को कम करते हुए स्वयं समीक्षा करने के समय को कम करता है। कुशल स्वचालन की यह प्रक्रिया वकीलों और कानूनी टीमों को अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधियों, जैसे केस की रणनीति, क्लाइंट की संबद्धता और लागू कानून के तर्कों के विकास की दिशा में अपने प्रयासों को मोड़ने में सक्षम बनाता है। कंपनियों या इन-हाउस टीमों में काम करने वाले कानूनी व्यावसायियों के लिए, सहयोगात्मक कार्य को बेहतर बनाने के लिए इंटरैक्ट एक बहुमूल्य उपकरण है। सुरक्षित, साझा कार्यक्षेत्र प्रदान करके, लेक्सलेजिस.एआई क्लाइंट के संवेदनशील डेटा पर नियंत्रण बनाए रखते हुए और गोपनीयता के मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कई उपयोगकर्ताओं को सहजता से मिलकर काम करने में सक्षम बनाता है।

विधिक व्यवसाय का रूपांतरण

लेक्सलेजिस.एआई जैसे-जैसे केवल किसी कानूनी शोधकार्य के उपकरण से अधिक विकसित हो रहा है, इसका व्यापक प्लैटफ़ॉर्म अब ए.आई.-आधारित सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो कानूनी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को में सुधार करती है। शोधकार्य और समीक्षा से लेकर प्रारूपण और मिलकर काम करने तक, काम-काज की लागत को कम करने और कानूनी व्यावसायियों की कार्यकुशलता में सुधार करने के लिए इंटरैक्ट लेक्सलेजिस एआई के लक्ष्य का आधार है। यादव ने बताया, ''हमारा लक्ष्य हमेशा कानूनी व्यवसाय में ए.आई. के अभिनवकारी समाधान प्रस्तुत करना रहा है। इंटरैक्ट के साथ, हम कानूनी टीमों को अधिक होशियार और अधिक सहयोगात्मक तरीके से काम करने के लिए सशक्त बना रहे हैं, जिससे न केवल उनकी दक्षता बल्कि कानूनी सेवाओं की समग्र पहुँच में भी वृद्धि हो रही है।

खबरें फटाफट

एनएमएसीसी में पहली बार मंचित होगा विश्व प्रसिद्ध 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा'

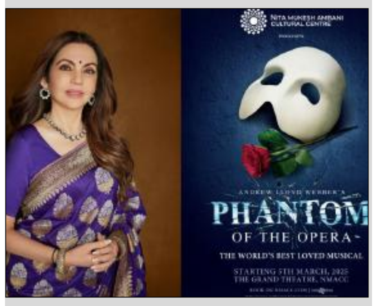

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। विश्व प्रसिद्ध संगीत नाटक 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा' का मंचन पहली बार मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में होगा। यह मंचन 5 मार्च 2025 से ग्रैंड थिएटर में शुरू होगा। एनएमएसीसी ने अब तक 'द साउंड ऑफ म्यूजिक', 'मामा मिया', 'लाइफ ऑफ पाई' जैसे अंतरराष्ट्रीय शोज़ का मंचन कर अपनी खास पहचान बनाई है। अब यह केंद्र 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा' जैसी विश्व-प्रसिद्ध प्रेम कहानी को भारत में ला रहा है। एनएमएसीसी की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने कहा, ल्लएनएमएसीसी की स्थापना का हमारा सपना यही था कि भारत और दुनिया की श्रेष्ठतम कला को एक ही मंच पर लाकर दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाए। 'द फैंटम ऑफ द ओपेरा' का प्रदर्शन हमारी इस सोच को और सशक्त बनाएगा। यह प्रेम और जुनून की अमर कहानी है, जो हर पीढ़ी को छूती है।ङ्क यह नाटक फ्रांसीसी लेखक गैस्टन लेरौक्स के उपन्यास पर आधारित है।

गौड़ ब्राह्मण महासभा के कार्यालय का हुआ शुभारंभ

■ संजीवनी टुडे

चूरू। गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान, चूरू ईकाई का नव कार्यालय का शुभारंभ गुरूवार को पूजा अर्चना कर किया गया। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी डॉ. श्रवण शर्मा ने बताया कि महासभा का नव कार्यालय स्थानीय गुदड़ी बाज़ार में एडवोकेट नरेंद्र शर्मा के प्रथम तल पर स्थित कार्यालय में महासभा के सरक्षक शिक्षाविद बाबूलाल शर्मा, विश्व नाथ शर्मा राजगुरू, डॉ सुरेन्द्र शर्मा,जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने भगवान परशुराम जी की पूजा अर्चना कर किया गया। यह कार्यक्रम में एडवोकेट नरेंद्र शर्मा, पुनित लाटा, नवीन शर्मा, एडवोकेट योगेश शर्मा, एडवोकेट कैलाश चंद्र शर्मा, महेंद्र चौबे, रमेश वशिष्ठ, राजेन्द्र शर्मा,राम रतन पुरोहित, बनवारी लाल शर्मा, चंद्र कांत शर्मा, मन मोहन महर्षि,अग्नी कुमार ढंण्ड ,दिनेश धड़, महेश बावलियां, रजत शर्मा, सुशील शर्मा, योगेश गौड़, संजय शर्मा, दिनेश बावलियां, सुभाष महर्षि,निखिल शर्मा, पंकज मिश्रा, विनय गौतम, अनिल शर्मा, कुलदीप शर्मा, राजकुमार खेड़वाल, महेश गौड़, विनोद शर्मा,सुरेंद्र बावलियां,घनश्याम महर्षि आदी ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। पंडित राम रतन पुरोहित ने विधि विधान से पूजा करवाई।

पीसी ज्वेलर लि.के बोर्ड ने कन्वर्जन ऑफ वारंट्स के खिलाफ इक्विटी शेयरों के अलॉटमेंट को दी मंजूरी

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। भारत की अग्रणी और तेजी से बढ़ती ज्वेलरी रिटेल चेन में से एक पीसी ज्वेलर लिमिटेड ने 35 एलॉटीज को 3,38,85,000 इक्विटी शेयरों का आवंटन किया है, जिनमें से प्रत्येक की फ़ेस वैल्यू 10 रुपये है, 3,38,85,000 वारंट के कन्वर्जन पर नॉन-प्रमोटर, पब्लिक केटेगरी' से संबंधित है, वारंट के कन्वर्जन के अपने अधिकारों के प्रयोग के अनुसरण में वारंट प्रति 42.15 रुपये (वारंट प्रति इश्यू मूल्य का 75%) की दर से कुल 142,82,52,750 रुपये की शेष राशि प्राप्त होने पर इक्विटी शेयरों में। हाल ही में, कंपनी ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और अर्धवार्षिक अवधि के लिए शानदार कमाई की सूचना दी। कंज्यूमर डिमांड और फुटफॉल में वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में उल्लेखनीय सुधार हुआ और यह गति वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में और बढ़ गई है, जिसका परिणाम कंपनी के टॉपलाइन और बॉटमलाइन दोनों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए, कंपनी ने 505 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, जो साल-दर-साल 1430% की वृद्धि दर्शाता है। एबिटा 129 करोड़ रुपये पर दर्ज किया गया था। पीबीटी 124 करोड़ रुपये हुआ। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के लिए, राजस्व में साल-दर-साल 797% की वृद्धि हुई, और यह 906 करोड़ रुपये हुआ। एबिटा 218 करोड़ रुपये पर आया, और पीबीटी 207 करोड़ रुपये पर दर्ज किया गया।

माता की स्मृति में श्री गौतम सभा जोधपुर संभाग आरोग्य भवन हेतु दिए एक लाख रु

■ संजीवनी टुडे

चौमूं। क्षेत्र के पंडितों का बास ग्राम पंचायत स्थित बिगादेव नगर निवासी भामाशाह अर्जुन राम,रामेश्वरलाल सुरतानिया पुत्र स्व. नर्सिंगाराम सुरतानिया ने अपनी माता सायर देवी के द्वादशा पर स्मृति में श्री गौतम सभा जोधपुर को एम्स अस्पताल के सामने स्थित भूखंड पर आरोग्य भवन के निर्माण में सहयोग हेतु एक लाख रुपए अध्यक्ष माधोप्रकाश जाजड़ा, कोषाध्यक्ष धन्नाराम राणेजा,युवक संघ जिलाध्यक्ष पुखराज शर्मा बारनऊ, समाजसेवी प्रधुम्न जोशी मोगड़ा, जवाहरलाल उपाध्याय कुड़ी, मुकेश पंचारिया सरपंच बेदु, सप्त ऋषि ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राधेश्याम पंचारिया, मदन गोपाल धोलासर, नरपत राम साखी, हरिकिशन सुरतानिया बारनाऊ, गणपतलाल सांखी बेलवा, गोपीलाल पंचारिया बेदू,रावल राम सांखी देवातू,भंवरलाल पंचारिया चैनपुरा, की उपस्थिति में प्रदान किये। श्री गौतम सभा जोधपुर संभाग कार्यकारिणी ने सुरतानिया परिवार से अर्जुनराम, बाबुलाल, हरिकिशन, गिरधारीलाल, ओम प्रकाश , मनोहर लाल , राम सुख ,रावल चंद, महावीर , बजरंग ,का इस पुनीत और नेक कार्य करने पर आभार व्यक्त किया।

सम्पादक की कलम से....
सम्पादकीय

जिनकी गोली फैसला और आवाज कानून बनी ऐसे थे बागी मोहर सिंह

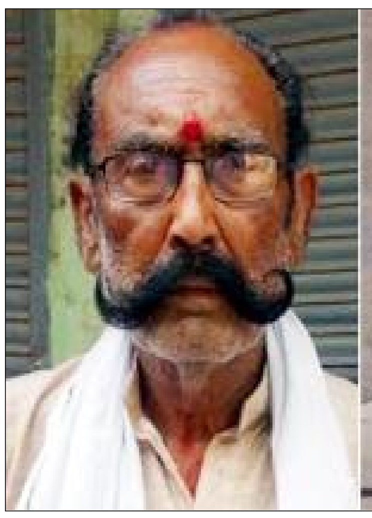
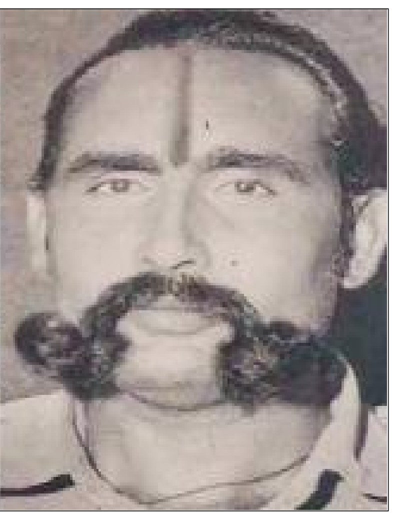

तिग्मांशु धुलिया निर्मित फिल्म पान सिंह तोमर का एक संवाद है कि ब्बिहड़ में तो बागी होते है, डकैत मिलते है पार्लिमेंट में चंबल क्षेत्र के लोगों का कहना है कि हमारे यहां डाकू नहीं बागी होते है और बागी वह होते है जो व्यवस्थाओं के खिलाफ विद्रोह करता है। मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले की मेहगांव तहसील से 5 मई को ऐसे ही एक बागी की खबर आई जिन्होनें 92 साल की उम्र में अंतिम सांस ली, यह चंबल के बागी थे मोहर सिंह। मोहर सिंह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, उन्हें मधुमेह यानि डायबटीज की बीमारी थी। बागी मोहर सिंह गरीब कन्याओं के विवाह और गरीबों की मदद के लिए क्षेत्र में एक अलग पहचान रखते थे। साठ के दशक में सबसे बडे गिरोह के मुखिया रहे मोहर सिंह तीन प्रदेशों की पुलिस के लिए सिरदर्द रहे। चंबल के बागी मोहर सिंह ने 1972 में समाजवादी जयप्रकाश नारायण के कहने पर आत्मसमर्पण कर दिया था। वह भिण्ड जिले की मेहगांव नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष भी रहे। उनके निधन के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

चंबल क्षेत्र डाकुओं और बागियों के लिए प्रसिद्ध रहा है यहां के बिहड़ों में कई नामी बागी और डाकू हुए है जिनके नाम से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लोग कांपते थे। लेकिन 5 मई को दस्यु हुए बागी मोहर सिंह के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। बागी मोहर सिंह का 60 के दशक में ये ऐसा नाम था जिसकी बंदूक ने तीन राज्यों की पुलिस के कान बहरे कर दिये थे। 150 बागियों की गैंग बनाकर मोहर सिंह ने तमाम हत्या, पकड़ और वसूली की वारदातों को अंजाम दिया था। 1958 में पहला अपराध करने से लेकर 1972 में समाजवादी जयप्रकाश नारायण के सामने उन्होनें आत्मसमर्पण कर दिया था। आत्मसमर्पण के पहले तक बागी मोहर सिंह के सिर पर 2 लाख का इनाम था जबकि उनकी पूरी गैंग पर 12 लाख का इनाम सरकार ने घोषित किया था। पुलिस फाइल में 315 मामले मोहर सिंह के नाम से दर्ज थे जिसमें 85 हत्या के मामले भी थे। समाजवादी जयप्रकाश नारायण के सामने 14 अप्रैल 1972 को मुरैना जिले के जौरा में महात्मा गांधी की तस्वीर के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने सजा काटकर राजनीति में कदम रखा और मेहगांव नगर पालिका में पंचायत परिषद के अध्यक्ष चुने गए। अपने 5 साल के कार्यकाल में उन्होंने जनता को परेशान नहीं होने दिया। जिसकी चलते ही उनकी अंतिम सांस तक लोगों के दिलों में उनके लिए इज्जत और सम्मान रहा। मोहर सिंह ने एक साक्षात्कार में बताया था कि जब वे चंबल के बीहड़ों में कूदे, तब वे नाबालिग थे। इसी वजह से किसी भी गैंग ने उन्हें शामिल नहीं किया। लोग उन्हें नौसिखिया कहते थे। इसे उन्होंने एक चुनौती माना और फिर 150 बागियों की खुद की गैंग खड़ी कर दी। बागी मोहर सिंह के बताया था कि बागी रहते चंबल के जंगलों में उनकी गैंग की बंदूक से निकली गोलियों का शिकार ज्यादातर पुलिस वाले और पुलिस-मुखबिर हुए थे। जिन्हें उन्होंने और उनकी गैंग ने गोलियों से भून डाला था। वह कहते थे कि अब उन्हें कत्लों की सही संख्या तो याद नहीं, मगर 15-20 हत्याओं की याद है। जबकि पुलिस रिकॉर्ड में मोहर सिंह और उनके गैंग के नाम 80 से ज्यादा हत्याएं और 350 से ज्यादा लूट, अपहरण, डकैतियां और हत्या की कोशिशों के मामले दर्ज रहे। बागी मोहर सिंह अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताते थे कि, 'जब मैं चंबल में कूदा उस वक्त उम्र बहुत कम थी। उम्र के हिसाब से समझ भी कम रही। अगर यह कहूं कि 'दिमाग' से जीरो और दिलेरी में हीरो था तो गलत नहीं होगा। सोचा कि घाटी में किसी बड़े गैंग में पहले शामिल होकर महारत हासिल कर लूं, मगर किसी गैंग ने नौसिखिया और छुट भैय्या होने के कारण सीधे मुंह बात नहीं की। बाद में उस जमाने में 150 आदमी का अपना खुद का गैंग खड़ा कर दिया। चंबल में पचास के दशक में जैसे बागियों की एक पूरी बाढ़ आई थी। मानसिंह, रूपा, लाखन, गब्बर, सुल्ताना जैसे डाकूओं से चंबल थर-थर कांप रहा था। वहीं साठ के दशक की शुरूआत में इनमें से ज्यादातर डाकू पुलिस की गोलियों का निशाना बन चुके थे या फिर उनके गैंग छोटे हो चुके थे। लेकिन तभी मोहर सिंह ने चंबल के बिहड़ों में अपनी दस्तक दी। जिसे बाद में चंबल का राजा भी कहा जाने लगा। उन दिनों चंबल घाटी में बागी मानसिंह के बाद सबसे बड़ा नाम मोहर सिंह का था।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृष

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुम्भ

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

एक और क्रूर घटना से संवेदनाएं कांप गयी

मध्य प्रदेश में रीवा जिले के पड़री गांव में एक गरीब मजदूर का हाथ इसलिये काट दिया गया कि उसने अपनी मेहनत का मेहनताना मांगा। इस क्रूर, बर्बर एवं हिंसक घटना ने समूचे राष्ट्र को झकझोर दिया है। एक मजदूर पर जानलेवा हमला करने और उसका हाथ काट देने की यह घटना किसी भी संवेदनशील समाज को दहला देने के काफी है, नया भारत को बनाते हुए ऐसी शर्मसार करने वाली घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा प्रतीत होता है कि अर्थ, सत्ता एवं वर्चस्व की होड़ में रोटी महंगी एवं मनुष्य सस्ता हो गया है। इंसान एवं इंसानियत के बीच अहंकार की दीवारें तमाम मानवीयता के नारों के बीच आज भी खड़ी है। इस अमानवीय घटना ने अनेक प्रश्न खड़े कर दिये हैं। कहां खो गई मानवीय संवेदनाएं? कैसे अर्थहीन हो गया जीवन-मूल्यों एवं संवेदना का अस्तित्व? कैसे बदल गई समता एवं सह-जीवन की जीवन-शैली? कहां है कमजोर तबकों के प्रति परोपकार का नजरिया? पड़री गांव की इस घटना ने आधुनिक समाज की बर्बर सोच को ही उजागर किया है। इससे यह अंदाजा लगता है कि आज भी देश में कमजोर एवं गरीब तबकों के लोगों को अपना हक मांगने पर अक्सर कैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। गांव में राजमिस्त्री का काम करने वाले एक दलित मजदूर ने सिर्फ अपने काम की मजदूरी मांगी और काम कराने वाले व्यक्ति ने इसके बदले उस पर तलवार से हमला कर दिया। उस समय मजदूर की जान तो किसी तरह बच गई, लेकिन तलवार के वार से उसका हाथ कट कर अलग हो गया। बुरी तरह घायल अवस्था में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। यह घटना बताती है कि आज भी ग्रामीण इलाकों में किस तरह की सामंती प्रवृत्तियां अपने बर्बर, क्रूर एवं अमानवीय रूप में काम करती रहती हैं। इस मामले में संतोषजनक पहलू बस यह रहा कि खबर मिलने के बाद पुलिस महकमे ने जरूरी सक्रियता बरती और वक्त पर कार्रवाई करके आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही पीड़ित मजदूर का छिपाया गया कटा हाथ खोज कर अस्पताल पहुंचाया और डाक्टरों से जोड़ने की कोशिश करने का आग्रह किया। कितनी अर्थहीन बात लगती है कि मुर्गा यह समझ बैठे कि सूरज सिर्फ उसकी बांग सुनने के लिये ही उगता है। ठीक इसी तरह कितना अहंकारी, स्वार्थी एवं मदहोशी बन गया है इंसान कि उसे किसी दूसरे इंसान के जीवन का कोई महत्व ही नजर नहीं आता। इसलिये वह औरों को अधिकारों से वंचित रखता है, अपनी मनमर्जी करता है। स्वयं की अस्मिता को ऊंचाइयां देने एवं अहंकार को पोषित करने के लिये गरीब, अभावग्रस्त एवं कमजोर के श्रम का शोषण करते हुए उन पर अत्याचार करता है। उसकी अन्तहीन महत्वाकांक्षाएं मानवीयता तक को जख्मी बना रही है। यह घटना बताती है कि झूठी श्रेष्ठता के भ्रम से उपजे दंभ में व्यक्ति किस हद तक क्रूर हो जा सकता है। सवाल है कि एक मजदूर से काम कराने वाले किसी व्यक्ति के भीतर ऐसी संवेदनहीनता, शोषण एवं क्रूर अत्याचार करने की प्रवृत्ति का स्रोत क्या है और मजदूरी या हक मांगने पर किसी की हत्या तक कर डालने का दुस्साहस कहां से आता है?

विचार बिन्दु

समाज एवं राष्ट्र की संवेदना को लीलने वाली इन घटनाओं से निपटना न केवल सरकार का प्राथमिक दायित्व है, बल्कि खुद समाज को ऐसी अमानवीय स्थितियों पर विचार करना चाहिए। खासतौर पर सामाजिक रूप से मजबूत और सुविधा-सम्पन्न तबकों को इस दिशा में पहल करके तस्वीर बदलने और व्यवस्था को मानवीय स्वरूप देने की कोशिश करनी चाहिए। जाति और इस व्यवस्था के तहत संचालित मनोविज्ञान के अहं ने हमारे समाज को अतीत से लेकर अब तक बहुत नुकसान पहुंचाया है, इसलिये उस अहं का शोधन करना जरूरी है।

ललित गर्ग

निश्चित रूप से इस तरह का सामंती और क्रूर बर्ताव करने वाले व्यक्ति को भी यह पता होगा कि उसकी ऐसी हरकत के बाद कानून के कठघरे में उसका क्या होगा? कितनी विचित्र बात है कि ऐसे सामंती प्रवृत्ति के लोग चाहकर भी अहं को झुका नहीं पाते। जानते हुए भी कि एकपक्षीय पकड़ एवं संवेदनहीनता जीवन के हर मोड़ पर व्यक्ति को अकेला कर देती है, कानून की पकड़ उसे सजा भोगने को अग्रसर कर देती है फिर भी वह इंसानियत को नहीं अपना पाता, औरों के अस्तित्व को स्वीकृति नहीं दे पाता और न ही बुराइयों के आने का रास्ता रोक पाता है। इसी मानवीय दुर्बलता ने मनुष्य के विकास एवं एक आदर्श मानवीय संरचना को जंग लगा दिया है। उसकी यह दुर्बलता रही है कि उसे कभी अपनी भूल नजर नहीं आती जबकि औरों की छोटी-सी भूल उसे अपराध लगती है। ऐसे में आज कहां सुरक्षित रह पाया है ईमान एवं इंसानियत के साथ इंसान तक पहुंचने वाली अमीरी एवं सत्ता के वर्चस्व का आदर्श? जीवन मूल्यहीन एवं दिशाहीन हो रहा है। हमारी सोच जड़ हो रही है। अनेक कानूनों, मानवाधिकारों एवं समतामूलक समाज के नारों पर आज राष्ट्रीय स्तर पर बहस हो रही है। पर कौन लगाम लगायेगा इन क्रूर एवं बर्बर घटनाओं पर? कौन मंथन करेगा इस विष एवं विषमता को निकालने के लिये?

यह कैसा अहंकारी समाज बन रहा है जहां अमीर गरीबों पर लगातार अत्याचार कर रहा है। आमतौर पर ऐसे अहंकारी लोगों के भीतर इस बात का भरोसा होता है कि वे अपनी सामाजिक-राजनैतिक हैसियत और आर्थिक सामर्थ्य के बल पर प्रशासन और तंत्र में बैठे लोगों को अपने पक्ष में प्रभावित करके सजा से बच जाएंगे! दरअसल, ऐसे मामले अक्सर आते रहे हैं, जिसमें कमजोर या दलित तबके के लोगों के खिलाफ हुए अपराध, अत्याचार, हिंसा के मामलों में पुलिस का रवैया न केवल उदासीन देखा गया, बल्कि कई बार वह आरोपी और समर्थ तबके के बचाव तक में खड़ी दिखी। ऐसे में इंसाफ की उम्मीद धुंधली होती है। इस तरह की अहंकारी मानसिकता की अनेक विसंगतियां समाज को घायल करती रही है। सत्ता का अहं जागा तो विलासिता एवं क्रूरता आई। यौवन का अहं जागा तो अन्तहीन दुःखों का आह्वान मिला। ज्ञान का अहं जागा तो जीवन के नैतिक आदर्शों को बौना होना पड़ा। शक्ति का अहं जागा तो युद्ध के खतरों ने भयभीत किया और समृद्धि एवं शक्ति का अहं जागा तो मनुष्य-मनुष्य के बीच असमानताएं एवं हाथ काटने जैसी बर्बरताएं आ खड़ी हुईं। लेकिन इसके समांतर ज्यादा जटिल स्थिति यह है कि इस तरह के हिंसक व्यवहार का मूल स्रोत ऐसे व्यक्ति के भीतर अपनी सामाजिक एवं आर्थिक हैसियत से उपजा अहं और कुंठित मानस होता है। जिस राजमिस्त्री का हाथ काट दिया गया, वह दलित पृष्ठभूमि से है और हमलावर उच्च कही जाने वाली जाति से आता है। हमारे समाज में जातिगत पहचान से संचालित होने वाली मानसिकता क्या इसकी जड़ में नहीं है कि दबंग हैसियत वाले लोग कमजोर जाति या तबके के खिलाफ इस हद तक आक्रामक हो जाते हैं?

समाज एवं राष्ट्र की संवेदना को लीलने वाली इन घटनाओं से निपटना न केवल सरकार का प्राथमिक दायित्व है, बल्कि खुद समाज को ऐसी अमानवीय स्थितियों पर विचार करना चाहिए। खासतौर पर सामाजिक रूप से मजबूत और सुविधा-सम्पन्न तबकों को इस दिशा में पहल करके तस्वीर बदलने और व्यवस्था को मानवीय स्वरूप देने की कोशिश करनी चाहिए। जाति और इस व्यवस्था के तहत संचालित मनोविज्ञान के अहं ने हमारे समाज को अतीत से लेकर अब तक बहुत नुकसान पहुंचाया है, इसलिये उस अहं का शोधन करना जरूरी है जो मूलभूत मानवीयता की श्रेष्ठताओं को गुमनामी में धकेलकर अपना अस्तित्व स्थापित करना चाहता है। अहं झुका तो सारे गुण ऊंचे उठ जायेंगे फिर किसी राजमिस्त्री को अपनी मेहनताना मांगने पर अपना हाथ नहीं गंवाना पड़ेगा।

ऑनलाइन क्लासों के आने लगे हैं दुष्प्रभाव सामने

दुनिया भर में लॉकडाउन के चलते सभी स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। भारत के स्कूलों में मार्च में परीक्षाएं हो जाती हैं और अप्रैल में फिर ने नयी कक्षाएं शुरू हो जाती हैं। लेकिन स्कूल बंद होने के कारण इस बार बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाई है। इस समस्या का खासकर प्राइवेट स्कूलों ने डिजिटल माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने का उपाय निकाला। जिसमें ऑनलाइन क्लासेस वाट्सएप ग्रुप बना कर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। लेकिन इन माध्यमों में जो पठन सामग्री बनाई गयी है या भेजी जा रही है वो बच्चों को ध्यान में रखते हुये नहीं बनाई गयी है। ज्यादातर स्कूल पुराने अपलोडेड वीडियो जगह-जगह से उठाकर बच्चों को शेयर कर रहे हैं। सामग्री पाठ्यक्रम अनुरूप न होने के कारण इसे समझने में बच्चों को परेशानी हो रही है। वैसे तो देश के कई स्कूल ऑनलाइन पढ़ाई करवा रहे हैं। लेकिन तमाम स्कूल ऐसे भी हैं जो सुविधा सम्पन्न नहीं है, ऐसे में वो ऑनलाइन पढ़ाई करवा पाने में असमर्थ हैं। वैसे भी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बच्चों के पास भी तो मोबाइल और लैपटॉप की व्यवस्था होनी जरूरी है। जब भारत में केवल 24 फीसदी घरों तक ही इंटरनेट की उपलब्धता है तो ऑनलाइन शिक्षा की सार्थकता पर स्वयं सवाल उठ जाते हैं। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षा से वंचित छात्रों के अभिवावकों का चिंतित होना स्वाभाविक है। असल में स्कूल प्रबंधन चाह रहा है कि लॉकडाउन के दौरान बच्चे शिक्षा से विमुख न हों। वो नयी क्लास के हिसाब से अपना पाठयक्रम पढ़ें। ऑनलाइन पढ़ाई में कई व्यवाहारिक दिक्कतें भी हैं, लेकिन लॉकडाउन में जब स्कूल खोलना खतरे से खाली नहीं है, ऐसे में ऑनलाइन क्लास ही बड़ा सहारा है।

ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान घर में बच्चों को स्क्रीन पर घंटों बैठना पड़ रहा है। बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर प्राइवेट स्कूलों का शिक्षा माध्यम अंग्रेजी है जिसे स्वयं से समझना इन बच्चों के लिए बहुत मुश्किल है। दूसरी बड़ी चुनौती इन बच्चों के ऑनलाइन क्लासेस के लिए आवश्यक संशाधनों का न होना है। ऑनलाइन क्लासेस के लिए एंड्रयाड फोन/कम्प्यूटर/टैबलेट, ब्राडबैंड कनेक्शन, प्रिंटर आदि की जरूरत होती है। ज्यादातर ग्रामीण बच्चों के परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होती उसके चलते उनके पास डिजिटल क्लासेस के लिए आवश्यक उपकरण नहीं होते हैं जिसके कारण ये क्लास नहीं कर पा रहे जबकि इस समय इन बच्चों के क्लास के अन्य साथी ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं।

गिनने लायक परिवार ही ऐसे होगें जिनके पास ये उपकरण उपलब्ध होंगे। लोकल सर्कल नाम की एक गैर सरकारी संस्था ने एक सर्वे किया है जिसमें 203 ज़िलों के 23 हज़ार लोगों ने हिस्सा लिया।

08 नवम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1945	हांगकांग में नौका दुर्घटना में 1550 लोगों की मौत हुई।
1956	संयुक्त राष्ट्र (संरा) ने तत्कालीन सोवियत संघ से यूरोपीय देश हंगरी से हटने की अपील की।
1957	ब्रिटेन ने क्रिसमस द्वीप समूह के समीप परमाणु परीक्षण किया।
1967	अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1988	चीन में विनाशकारी भूकंप से 900 लोगों की मौत हुई।
1992	जर्मनी की राजधानी बर्लिन में नस्लवाद के खिलाफ हुए प्रदर्शन में तीन लाख लोगों ने हिस्सा लिया।
1998	बांग्लादेश में देश के प्रथम प्रधानमंत्री शेख़मुजीबुर्रहमान की हत्या में 15 लोगों को मृत्युदंड।
1999	राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर ने एक दिवसीय क्रिकेट मैच में 331 रन की साझेदारी कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।
2000	बिल क्लिंटन की पत्नी हिलेरी क्लिंटन ने न्यूयार्क सीट पर जीत दर्ज कर इतिहास रचा।
2001	अफ़ग़ानिस्तान पर पुनः ज़बर्दस्त बमबारी।
2002	अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन की दो दिवसीय बैठक मनीला में प्रारम्भ।
2004	हेग में सामाजिक भागीदारी बढ़ाने पर भारत व यूरोपीय संघ सहमत।
2005	भारत ने फ़िलिस्तीनि संगठनों की आतंकवादी कार्रवाई और इस्त्रायल की दमन की आलोचना की।

सिख धर्म के संस्थापक एवं मानव धर्म के प्रबल समर्थक गुरु नानक देव

विचार बिन्दु

पन्नालाल मेघवाल
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

मानव धर्म के प्रबल समर्थक एवं सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्म आज कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुरु नानक देव की जयंती पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। भजन कीर्तन एवं गुरु-बानी का पाठ करते हैं। आज सिख समुदाय के लोग वाहे-गुरु वाहे-गुरु जपते हुए प्रातःकाल प्रभात फ़ेरी निकालते हैं। गुरुद्वारे में शबद-कीर्तन करते हैं तथा सायंकाल लंगर आयोजित कर लोगों को भोजन कराते हैं। कार्तिक पूर्णिमा को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। प्रकाश पर्व यानि मन की बुराइयों को दूर कर सत्य, ईमानदारी और सेवाभाव से प्रकाशित करना। गुरु नानक जयंती गुरु-पूरब या गुरु-पर्व के नाम से भी जाना जाता है। गुरु नानक देव ने अपना पूरा जीवन मानवता की सेवा में लगा दिया। वे मानव धर्म के प्रबल समर्थक थे। गुरु नानक देव एक दार्शनिक, समाज सुधारक, गृहस्थ, योगी एवं देश भक्त थे। गुरु नानक देव सिखों के प्रथम गुरु हैं। वे सिख धर्म के गुरु नहीं बल्कि अन्य सभी धर्मों का आदर करने वाले विराट व्यक्तित्व थे। वे सिख धर्म के संस्थापक के साथ ही मानव धर्म के उत्थापक भी थे। गुरु नानक देव का जीवन एवं धर्म दर्शन युगांतकारी लोक चिंतन दर्शन था। उन्होंने सांसारिक यथार्थ जीवन से नाता नहीं तोड़ा। वे संसार से त्याग एवं सन्यास के खिलाफ थे। उनका मानना था कि मनुष्य सहज स्वाभाविक सांसारिक जीवन जीते हुए जितने लोक कल्याण के कार्य कर सकता है उतने कार्य सन्यास लेकर नहीं कर सकता है। उन्होंने सांसारिक जीवन जीते हुए सिख धर्म एवं मानव धर्म की सेवा एवं प्रचार-प्रसार किया। गुरु नानक देव का जन्म 15 अप्रैल 1469 को लाहौर से 65 कि.मी. दूर स्थित तलवंडी नामक स्थान पर हुआ था। बाद में तलवंडी का नाम ननकाना साहब पड़ा जो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में है। गुरु नानक देव के पिता का नाम कल्याणचंद मेहता (कालूजी), माता का नाम तृप्तादेवी, बहन का नाम नानकी, पत्नी का नाम सुलक्षिणी एवं पुत्रों का नाम श्रीचंद एवं लक्ष्मीदास था। गुरु नानक देव का देहावसान करतारपुरा में 1539 में हुआ। स्वर्गारोहण से पूर्व उन्होंने बाबा लहना को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। वे गुरु अंगददेव के नाम से प्रसिद्ध हुए। गुरु नानक देव बचपन से ही धीर-गंभीर स्वभाव के थे। उन्होंने बाल्यकाल से ही रूढ़िवादी सोच का विरोध किया था। एक बार उनके पिताजी ने 20 रुपए देकर बाजार भेजा और कहा कि खरा-सौदा लेकर आना। उन्होंने उन रुपयों से भूखे साधुओं को भोजन करा दिया। लौटकर उन्होंने पिताजी से कहा कि वह खरा-सौदा कर आए हैं। गुरु नानक देव का मन बचपन से ही आध्यात्मिक ज्ञान एवं लोक कल्याण के चिंतन में डूबा रहता था। वे निर्गुण-उपासक एवं मूर्ति पूजा के खिलाफ थे। उनका कहना था कि ईश्वर एक है, वह सर्वशक्तिमान है, वही सत्य है। वे जाति-व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने समाज से इस बुराई को समाप्त करने के लिए लंगर की शुरुआत की। इसमें अमीर-गरीब, छोटे-बड़े और सभी जातियों के लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। गुरु नानक देव 16 वर्ष की आयु से ही देश-विदेश की यात्रा पर निकल गए और समाज में फैली कुरीतियों और लोगों के मन से घृणा भाव को मिटाने व आपस में प्रेम भावना जागृत करने के कार्य में जुट गए। उन्होंने समाज को जागरूक करने के लिए अनेक स्थानों का भ्रमण किया। उन्होंने हरिद्वार, अयोध्या, प्रयाग, काशी, गया, पटना, असम, बीकानेर, पुष्कर तीर्थ, दिल्ली, पानीपत, कुरुक्षेत्र, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम, सोमनाथ, द्वारका, नर्मदा तट, मुल्तान, लाहौर आदि स्थानों का भ्रमण किया। गुरु नानक देव ने उपदेश दिया कि ईश्वर एक है। वह सर्वत्र विद्यमान है। ईश्वर हम सबका पिता है। हम सभी उसकी संताने हैं। कोई बड़ा-छोटा नहीं है। कोई आम या खास नहीं है। सब बराबर हैं। इसलिए हम सभी को एक साथ प्रेम पूर्वक रहना चाहिए। उनका उपदेश है कि कभी भी किसी का हक नहीं छिनना चाहिए। मानव को मेहनत और ईमानदारी से अपना कार्य करना चाहिए। इस ईमानदारी की कमाई में से जरूरतमंदों को भी कुछ देना चाहिए। उनका मानना था कि महिला एवं पुरुष बराबर हैं। इसलिए महिलाओं का भी पुरुषों के समान सम्मान करना चाहिए। उनका मानना था कि मानव कितना भी बड़ा एवं धनवान हो जाए लेकिन उसे छोटा बनकर रहना चाहिए और मानव सेवा को नहीं भूलना चाहिए। उनका उपदेश था कि अहंकार मानवता का नाश करता है। इसलिए मनुष्य को अहंकार नहीं करना चाहिए बल्कि ह्रदय में सेवा-भाव रखकर जीवन व्यतीत करना चाहिए। उनका मानना था कि धन को जेब तक ही रखना चाहिए उसे ह्रदय में स्थान नहीं देना चाहिए।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इन संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेडू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

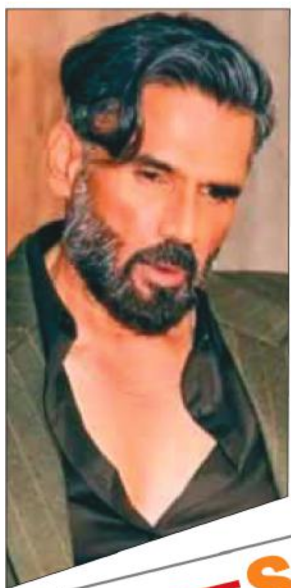

'हंटर' की शूटिंग के दौरान घायल हुए सुनील शेट्टी...

मुंबई। अभिनेता सुनील शेट्टी अपनी आगामी सीरीज हंटर के सेट पर घायल हो गए। वह अपने शूट के दौरान स्टंट कर रहे थे। इस दौरान उनकी पसलियों में चोट लग गई वे गंभीर रूप से घायल हो गए। अपने स्टंट खुद करने के लिए मशहूर शेट्टी चार से पांच स्टंट कलाकारों के साथ एक हाई-इंटेंसिटी फाइट सीन कर रहे थे, तभी एक दुर्घटना हुई। इस सीन में लकड़ी के लॉग को सहारा के तौर पर इस्तेमाल किया गया था, लेकिन गलत समय पर हरकत के कारण लॉग गलती से अभिनेता की पसलियों में जा लगा। इसी घटना में सुनील शेट्टी घायल हो गए। सुनील शेट्टी अगली बार 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगे।

लाइफ Style

हुमा

कम सैलरी के कारण ठुकराई दो बड़ी फिल्में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अपनी अद्भुत अभिनय के लिए मशहूर हुमा कुरैशी ने हाल ही में दो मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म को अस्वीकार करने के पीछे का कारण का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इन फिल्मों के लिए उन्हें उच्च वेतन की पेशकश नहीं की गई थी।

इन फिल्मों में उनके साथ काम करने वाले दूसरे अभिनेताओं में अनुभव की कमी के कारण उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने बताया कि अगर कोई अभिनेता अपने सोशल मीडिया फॉलोइंग के कारण लोकप्रिय माना जाता है, इसका यह मतलब नहीं कि उसके शो या फिल्मों को दर्शक पसंद करेंगे। एक मीडिया साक्षात्कार में हुमा कुरैशी ने दो नई फिल्मों को न कहने के पीछे के कारमों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ईमानदारी महत्वपूर्ण है। अन्य अभिनेताओं की लोकप्रियता के बावजूद उन्हें लगता है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उनका अनुभव अन्य अभिनेताओं के अनुभव से मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा, 'बिना नाम बताए, मुझे दो लीड फिल्मों की पेशकश की गई थी। मैंने उसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि इसमें शामिल अन्य मशहूर अभिनेताओं के पास स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का मेरे जितना अनुभव नहीं था।' हुमा ने स्पष्ट किया कि वह फिल्मों में काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन तभी जब फिल्मों में अन्य अभिनेताओं की तरह उनके किरदार को भी समान महत्व दिया जाए। उन्होंने आगे कहा कि करियर के इस स्तर पर उन्हें नहीं लगता कि कोई समझौता करने की जरूरत है।

हॉलीवुड मसाला

मैरी सीख रही हैं बेली डांस

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की नन्ही सी बेटी मालती मैरी बेली डांस सीख रही हैं। उनकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। गुलाबी रंग ड्रेस में मालती ने अपनी अदाओं से फैंस का दिल जीत लिया है। फैंस का कहना है कि वो बेहद क्यूट दिख रही हैं। मालती को डांस सीखते देख हर कोई हैरान है कि इतनी कम उम्र में ही उन्होंने अपने मम्मी और पापा के नक्शेकदम पर चलना शुरू कर दिया है। हर कोई उन पर अपना प्यार लुटा रहा है।

'सब कुछ किया जो मैं कर सकती थीं'...

लॉस एंजिल्स। डोनाल्ड ट्रंप की निर्णायक राष्ट्रपति जीत ने हॉलीवुड को चौंका दिया। ऐसे में कलाकारों, मशहूर हस्तियों और मीडिया हस्तियों ने सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा और निराशा की भावनाओं को साझा किया। जनरल हॉस्पिटल स्टार नैन्सी ली ग्राहन ने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'मैंने वह सब कुछ किया है, जो मैं कर सकती थी। मैं अपनी बेटी की सुरक्षा के लिए अपने सभी सोशल मीडिया को डिलीट कर दूंगी। मुझे बहुत खेद है। भगवान हम सबकी मदद करें।' वहीं, अभिनेत्री मिया फैरो ने व्लादिमीर पुतिन की तस्वीर के ऊपर एक साधारण नोट ट्वीट किया, 'लगता है कि वह जीतेंगे। भगवान हमारी मदद करें।' सोशल मीडिया पर अक्सर पोस्ट करने वाली और ट्रंप की कट्टर विरोधी बेट मिडलर ने एचएल मेनकेन का एक कोट पोस्ट करने के बाद अपना एक्स अकाउंट डिलीट कर दिया है।

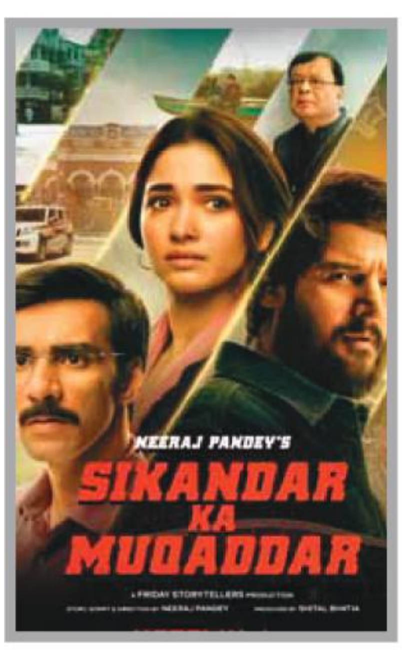

'सिकंदर का मुकद्दर' का प्रसारण 29 को

मुंबई। नेटफ्लिक्स का क्राइम ड्रामा 'सिकंदर का मुकद्दर' सभी का इंतजार खत्म करते हुए 29 नवंबर को प्रसारित होने वाला है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया और राजीव मेहता मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं। इस फिल्म में पांडे ने अपने सिग्नेचर स्टाइल में नेटफ्लिक्स के दर्शकों के लिए कहानी को बहुत दिलचस्प बना दिया है। सिकंदर का मुकद्दर में एक चोरी, एक पुलिस अधिकारी के इंस्टिंक्ट्स, और 15 साल तक पीछा करने की रोचक कहानी का रोमांचक अनुभव प्रदान करेगी। इससे पहले नीरज पांडे ने नेटफ्लिक्स के साथ खाकी:बिहार चैप्टर के लिए काम किया था। इस क्राइम और पीछा करने की कहानी के साथ उन्होंने नेटफ्लिक्स पर अपनी वापसी की है।

करण ने नई फिल्म का किया ऐलान

मुंबई। करण जौहर ने बुधवार रात एक पोस्ट साझा कर सनसनी मचा दी। उन्होंने बताया कि वे एक लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने इसका ऐलान भी कर दिया है। लेकिन, इसकी स्टाराकास्ट ऐसी है कि एक बार फिर उन पर नेपोटिज्म के आरोप लगने वाले हैं। फिल्म में अनन्या पांडे नजर आएंगी। उनके साथ लक्ष्य की जोड़ी जमेगी। निर्माता ने फिल्म की पहली झलक साझा की है। फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर की नई फिल्म का नाम है- 'चांद मेरा दिल'। पोस्ट के साथ करण ने कैप्शन लिखा है, 'हम एक बेहद प्यारी और भावुक प्रेम कहानी लाने की तैयारी में हैं। ऐसी प्रेम कहानी होगी, जैसी पहले कभी नहीं रही। प्यार में थोड़ा पागल होना ही पड़ता है'?

टीवी मसाला

टीआरपी के मामले में आगे बढ़ा 'झनक' उड़ने की आशा आया एक पायदान नीचे

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया में सबसे ज्यादा टीआरपी पाने वाला सीरियल 'अनुपमा' ही है। दूसरे नंबर पर 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' को अच्छे टीआरपी रेटिंग्स मिले हैं। तीसरे नंबर पर है, 'झनक'। चौथे नंबर पर है 'उड़ने की आशा'। पांचवें नंबर पर है 'एडवोकेट अंजली अवस्थी'। छठवें नंबर पर है- गुम है किसी के प्यार में। सातवें नंबर पर आएगा मंगल लक्ष्मी। आठवें नंबर पर है शिव शक्ति। मेरा बालम थानेदार नौवें नंबर पर है। वहीं, दसवें नंबर पर है सीरियल दुर्गा। हर बार की तरह इस बार भी अनुपमा सीरियल पहले स्थान पर है। रूपाली गांगुली, गौरव खन्ना अभिनीत ये शो इस बार भी पहले स्थान पर है। शो को खूब प्यार मिल रहा है और हाल ही में इसने 15 साल आगे की एक बड़ी छलांग लगाई है। इस हफ्ते 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल को टीआरपी में दूसरा स्थान मिला है। शो में अभिरा और अरमान की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। झनक ने पिछले साल से ऊपर उछाल मारी है। शो इस हफ्ते टीआरपी के मामले में तीसरे स्थान पर आ गया है। झनक की कहानी दर्शकों को पसंद आ रही है।

अविनाश ने ईशा के सामने कही दिल की बात...

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 का नया प्रोमो सामने आया है। इस प्रोमो में आप देख सकते हैं कि घर के हैंडसम कंटेस्टेंट यानी अविनाश मिश्रा, बीजेपी नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा से पंजाबी में प्यार के चंद बोल सीखते नजर आ रहे हैं। बग्गा उन्हें सिखाते हैं कि कैसे किसी खूबसूरती लड़की को प्रपोज किया जाता है। इसके बाद अविनाश, हीरो की तरह एंट्री मारते हुए ईशा सिंह के सामने जाकर खड़े हो जाते हैं और पंजाबी में कहते हैं, 'तू बड़ी सोहनी लगदी है, तेरी अखियां बड़ी प्यारी है, त्वडा दिल चंगा है।' अविनाश के मुंह से ये सुनते ही ईशा के चेहरा शर्म और खुशी से लाल हो जाता है। बिग बॉस 18 के घर से अब तक शहजादा धामी मुस्कान बमाने, वायरल भाभी यानी हेमा शर्मा और नायरा बनर्जी को भी बाहर कर दिया गया। बीते दिनों सारा अरफीन खान को उनके हिंसक बर्ताव की वजह से एविक्ट करने को लेकर खबरें सामने आ रही हैं।

अभिषेक - ऐश्वर्या फिर नजर आएंगे साथ...

नई दिल्ली। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के बीच चल रहे कथित मतभेद पिछले काफी समय से चल रहे हैं। अफवाहें तो हैं कि दोनों के बीच तलाक की स्थिति आ गई है। पिछले काफी समय से चल रहीं इन अफवाहों को लेकर दोनों ने चुप्पी साधी हुई है। लेकिन, ऐश्वर्या के बर्थडे पर उनके लिए कोई पोस्ट न करना लोगों तो एक बार फिर खटका। बच्चन परिवार और ऐश्वर्या के बीच कथित मतभेदों को लेकर नेटिजंस के मन में कई सवाल हैं।लेकिन, तलाक की अफवाहों के बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन जल्द ही एक फिल्म के लिए हाथ मिलाने वाले हैं। मशहूर फिल्ममेकर मणिरत्नम अपनी 'गुरु' जोड़ी अभिषेक और ऐश्वर्या को लेकर एक और हिंदी फिल्म की योजना बना रहे हैं। मणिरत्नम के साथ अभिषेक का ये चौथी फिल्म होगी। रत्नम के साथ अपने गहरे रिश्ते को दर्शाते हुए, अभिषेक ने एक बार जूम से बात करते हुए कहा था, 'जब वह पहली बार मुझे 'युवा' के लिए साइन करने के लिए हमारे घर आए थे, तो मुझे लगा कि वह पा (पिता अमिताभ बच्चन) को साइन करने आए हैं।

पति की बेवफाई के बावजूद 12 साल तक जीनत अमान ने निभाया रिश्ता...

नई दिल्ली। 70-80 के दौर में जब भी किसी फेमस और सक्सेसफुल एक्ट्रेस का जिक्र होता हैं, तो इसमें जीनत अमान का नाम जरूर आता हैं। जिन्होंने उस दौर में भी ऐसी-ऐसी फिल्में की जिसके बारे में लोग सोच भी नहीं सकते थे। लेकिन अपने करियर के पीक दौर में उन्होंने एक्टर मजहर खान से 1985 में शादी की, लेकिन उनकी शादी किसी बुरे सपने से कम नहीं थी। एक साल के अंदर ही उन्हें अपने पति की बेवफाई झेलनी पड़ी, लेकिन इसके बाद भी 12 साल तक उन्होंने क्यों इस रिश्ते को निभाया, इस बारे में जीनत अमान ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया।

जीनत शादी के पहले साल ही समझ गई कि गलती की थी

जीनत अमान ने सिमी ग्रेवाल के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्होंने 1985 में मजहर खान से शादी की थी और शादी के पहले साल ही उन्हें समझ आ गया था कि उन्होंने गलती की हैं। जीनत ने यह भी बताया की मजहर से शादी करने का फैसला मेरा खुद का था और वह सबकी इच्छाओं के खिलाफ जाकर उनसे शादी करने को तैयार हुई, लेकिन शादी के 1 साल के अंदर ही उन्हें मजहर की बेवफाई के बारे में पता चला। उस समय स्टारडस्ट मैगजीन में बड़ा आर्टिकल छपा था, जिसमें बताया गया था कि मजहर का किसी और महिला के साथ अफेयर हैं।

5 साल तक उनके जीवन के लिए संघर्ष करती रहीं

जीनत अमान ने कहा कि मैं उस समय मजहर को छोड़ना चाहती थीं, लेकिन मैं गर्भवती थी। मेरे बेटे का जन्म हुआ, तो मैंने सोचा मुझे शादी को खत्म कर देना चाहिए। लेकिन सोचा फिर मेरे बच्चे को एक मौका मिलना चाहिए, इसलिए मैंने शादी को बनाए रखने का फैसला किया। जब मेरे बेटे की उम्र 5 साल हुई तो मैंने काम करने के बारे में सोचा, लेकिन उससे पहले मजहर बीमार हो गए। 5 साल तक उनके जीवन के लिए संघर्ष करती रहीं। जीनत ने बताया कि मैंने हर संभव कोशिश की, लेकिन यह रिश्ता नहीं बच पाया। मैं मानसिक रूप से टूटने की कगार पर थी, मेरे पास 12 साल तक ऐसा कोई शख्स नहीं था जिसने मुझसे यह पूछा हो कि तुम कैसी हो? जीनत अमान ने अपने इस जिंदगी के पहलू के बारे में खुलकर बात की और यह भी कहा कि मुझे कोई अपराधबोध नहीं है, क्योंकि मुझे यकीन है कि 99% महिलाएं मेरे जितना लंबे समय तक ईमानदारी से नहीं टिक पाती।

एक रिंग की वजह से राजेश खन्ना से नफरत करने लगा था ये स्टार...

नई दिल्ली। एक वक्त बॉलीवुड में ऋषि कपूर और डिंपल कपाड़िया की जोड़ी खूब पसंद की जाती थी। दोनों अपनी पहली ही फिल्म 'बॉबी' से रातों-रात स्टार बन गए थे। 1973 में आई इस फिल्म के आने से ठीक पहले कुछ ऐसा हुआ था कि ऋषि कपूर उस जमाने के सुपरस्टार से ही नफरत करने लग गए थे। वह सुपरस्टार कोई और नहीं, बल्कि राजेश खन्ना थे और इसकी वजह खुद डिंपल बन गई थीं। यह किस्सा आज भी काफी मशहूर है।

राजेश और डिंपल का रिलेशनशिप

'बॉबी'रिलीज होने से पहले ही डिंपल 15 साल बड़े राजेश खन्ना के साथ रिलेशनशिप में थीं। हालांकि, दोनों के बारे में कम ही लोग जानते थे। जब दोनों की शादी की खबरें बाहर आईं तो हर कोई हैरान था। इसी बीच कुछ ऐसा हुआ जब डिंपल को लेकर ऋषि कपूर, राजेश खन्ना से नाराज हो गए। जबकि उनका डिंपल से कोई लेना-देना ही नहीं था। इसका खुलासा खुद एक्टर ने एक इंटरव्यू में किया था। बरखा दत्त को दिए इंटरव्यू में बताया कि डिंपल को लेकर उनके मन में कुछ भी नहीं था, लेकिन अपनी पहली फिल्म की हीरोइन को लेकर काफी पजेसिव हो गए थे।

राजेश खन्ना से क्यों नफरत करते थे ऋषि कपूर

जब 'बॉबी' रिलीज हुई तो इससे पहले ही डिंपल और राजेश ने शादी कर ली थी। यह शादी ऋषि कपूर को भी नागवार गुजरी थी और वह राजेश खन्ना से नफरत करने लगे। ऋषि कपूर ने यह भी बताया कि उनकी गर्लफ्रेंड यास्मिन ने उन्हें जो रिंग दी थी, वो डिंपल के पास थी, जो बाद में वो रिंग राजेश खन्ना के पास पहुंच गई, जिसे उन्होंने फेंक दिया। बस इसी बात से ऋषि कपूर को गुस्सा आ गया।

रिंग की वजह से दिल से उतर गए थे राजेश खन्ना

दिवंगत ऋषि कपूर ने बताया था कि उनकी रिंग उन्होंने डिंपल को नहीं दी थी, बल्कि एक्ट्रेस ने ही उनसे ले ली थी। जब राजेश खन्ना ने उस रिंग को फेंका तभी से उन्हें सुपरस्टार से नफरत हो गई। उन्होंने ये भी कहा कि राजेश उनकी पहली हिरोइन को लेकर भी चले गए तो गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया था।

तस्वीर में दिख रही बच्ची है 2700 करोड़ की मालकिन

नई दिल्ली। बॉलीवुड में नाम कमाना आसान नहीं है। वहीं, सुपरस्टार कहलाना हर किसी के बस की बात नहीं है। लेकिन तस्वीर में दिख रही 60 के दशक की सुपरस्टार रहीं इस एक्ट्रेस ने वो कर दिखाया, जो कई एक्ट्रेसेस नहीं कर पाई. । दरअसल,1966-1969 तक नंदा और वहीदा रहमान के साथ दूसरी सबसे ज्यादा फीस लेने वाली हिन्दी एक्ट्रेस में इस अदाकारा का नाम शुमार था। इतना ही नहीं, सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया। जबकि 1970-1975 तक मुमताज के साथ सबसे सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में शामिल हो गई। यह कोई और नहीं दिग्गज सुपरस्टार शर्मिला टैगोर हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में 'आराधना' और 'मेरे हमसफर' जैसी हिट फिल्में दी। राजेश खन्ना, धर्मेंद्र और जीतेंद्र जैसे स्टार संग उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया। 'दाग' में शर्मिला टैगोर की खूबसूरती और एक्टिंग को लोगों ने खूब पसंद किया था।इस फिल्म के बाद शर्मिला भी पर्दे पर छाने लगी थीं। लेकिन, पिछले काफी समय से वह फिल्मों से दूर थीं। लेकिन, उन्होंने फिल्म 'गुलमोहर' से कमबैक किया और इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान बताया एक समय था, जब उनके पास घर के रेंट के पैसे नहीं हुआ करते थे। पर्सनल लाइफ की बात करें तो 13 साल की उम्र से फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर ने 1968 में इंडियन क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी से शादी की।उनके तीन बच्चे सैफ अली खान, सोहा अली खान और सबा अली खान हैं।वहीं, नेटवर्थ की बात करें तो पति के निधन के बाद वह 2700 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं।

खबर संक्षेप

महिंद्रा के मुनाफे में 35 फीसदी का इजाफा

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड का 2024-25 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत बढ़कर 3,171 करोड़ रुपये हो गया। 2023-24 की दूसरी तिमाही (सितंबर) में शुद्ध लाभ 2,348 करोड़ रुपये था। दूसरी तिमाही में एकीकृत राजस्व 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 37,924 करोड़ रुपये रहा।

भारतीय टेलीकॉम ने अनुषंगी कंपनी में खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारती एयरटेल की प्रवर्तक भारती टेलीकॉम ने भारती परिवार की निवेश कंपनी इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से कंपनी में करीब 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी सूचना में लेनदेन का खुलासा नहीं किया गया, भारती एयरटेल के शेयर के बंद भाव 1.598.75 रुपये प्रति शेयर के आधार पर हिस्सेदारी का मूल्य 11,680 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

जेटीएल इंडस्ट्रीज को ट्यूब आपूर्ति का ठेका

JTL INDUSTRIES LIMITED STEEL PIPES

नई दिल्ली। जेटीएल इंडस्ट्रीज को सरकार के जल जीवन अभियान के तहत एक परियोजना के वास्ते 36,000 मीट्रिक टन गैल्वनाइज्ड माइल्ड स्टील ट्यूब की आपूर्ति के लिए 265 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। 'जेटीएल इंडस्ट्रीज ने जल जीवन अभियान (जम्मू) के समर्थन में 36,000 मीट्रिक टन जीएमएस ट्यूब के लिए एल1 आपूर्तिकर्ता के रूप में बोली हासिल की।

आर्सेलरमित्तल का शुद्ध लाभ 69 फीसदी घटा

नई दिल्ली। आर्सेलरमित्तल का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 69 प्रतिशत गिरकर 28.7 करोड़ डॉलर रहा है। इस्पात की आपूर्ति घटने की वजह से उसका मुनाफा कम हुआ है। आर्सेलरमित्तल जनवरी-दिसंबर के वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 92.9 डॉलर रहा था।

जेके लक्ष्मी सीमेंट को 19.24 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। जेके लक्ष्मी सीमेंट को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 19.24 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ। कंपनी को 2023-24 की दूसरी तिमाही (सितंबर) में 95.87 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। दूसरी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 2.16 प्रतिशत घटकर 1,234.29 करोड़ रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले समान तिमाही में यह 1,574.53 करोड़ रुपये थी।

इमामी के शुद्ध लाभ में 19 फीसदी की वृद्धि

कोलकाता। रोजमर्रा में इस्तेमाल का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी इमामी लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 19 प्रतिशत बढ़कर 213 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मार्जिन में सुधार और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में सतत वृद्धि के कारण उसका मुनाफा बढ़ा है। इमामी ने बयान में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय तीन प्रतिशत बढ़कर 891 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

हुरुन की परोपकारी सूची में एचसीएल के शिव नादर सबसे बड़े दानवीर

एजेंसी ▸▸ मुंबई

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर वित्त वर्ष 2023-24 में परोपकार के मामले में एक बार फिर देश के सबसे अमीर लोगों को पीछे छोड़ दिया है। एडेलगिव-हुरुन इंडिया की परमार्थ सूची के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में परोपकारी कामों में में नादर की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत बढ़कर 2,153 करोड़ रुपये हो गई।

देश के सबसे अमीर भारतीय गौतम अदाणी के 330 करोड़ रुपये और दूसरे सबसे अमीर रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी के 407 करोड़ रुपये की तुलना में यह राशि बहुत अधिक है। इस सची में अंबानी दूसरे और अदाणी पांचवे स्थान पर हैं।

अंबानी दूसरे तो अदाणी पांचवें स्थान पर, एक बार फिर देश के सबसे अमीर लोगों को पीछे छोड़ा

एशियन पेंट्स के वकील सबसे कम उम्र के दानवीर

सूची के युवा दानवीरों में एशियन पेंट्स से जुड़े 35 साल के विवेक वकील सबसे कम उम्र के दानवीर हैं। उन्होंने 8 करोड़ रुपए का दान दिया है। वहीं, पिछले साल (2023) के सबसे कम उम्र के दानवीर जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ (38) इस साल तीसरे नंबर पर आ गए हैं। निखिल ने अपने भाई और जेरोधा के सीईओ नितिन कामथ (45) के साथ मिलकर 120 करोड़ रुपए का दान दिया।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर | मुकेश अंबानी | गौतम अदाणी | कुमारमंगलम बिड़ला

नादर की संपत्ति 3.14 लाख करोड़

नादर 3.14 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ अमीरों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अदाणी की संपत्ति 11.6 लाख करोड़ रुपये और अंबानी की 10.14 लाख करोड़ रुपये है।

कुमारमंगलम चौथे स्थान पर

कुमारमंगलम बिड़ला और उनका परिवार 334 करोड़ रुपये के कुल दान के साथ चौथे स्थान पर रहा, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि है। हुरुन की अमीरों की सूची के अनुसार, कुल मिलाकर 203 ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने पांच करोड़ रुपये से अधिक परमार्थ कार्य पर खर्च किया।

बजाज परिवार सूची में तीसरे स्थान पर

मोटर वाहन और फाइनेंस क्षेत्र में रुचि रखने वाले बजाज परिवार ने सालाना आधार पर 33 प्रतिशत अधिक 352 करोड़ रुपये परमार्थ कार्यों के लिए दिया और सूची में तीसरे स्थान पर जगह बनाई।

औसत दान घटकर 43 करोड़ रुपए

1,539 लोगों की कुल संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से अधिक थी और इस साल उनकी कुल संपत्ति में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिलचस्प बात यह है कि सूची में शामिल 203 दानदाताओं द्वारा दिया गया औसत दान 2023 की सूची में शामिल 119 दानदाताओं द्वारा दिए गए 71 करोड़ रुपये से घटकर 43 करोड़ रुपये रह गया है।

संचार मंत्री ने कहा, नीलामी की जगह होगा आवंटन

सिंधिया ने किया साफ, सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी नहीं होगी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी के बजाय उसका आवंटन किया जाएगा। भारतीय अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल इसकी नीलामी किए जाने की मांग कर रहे हैं, जबकि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने इसके आवंटन की वकालत की है।

सिंधिया ने कहा कि हालांकि, सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम मुफ्त नहीं दिया जाएगा तथा भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) इसके लिए कीमत तय करेगा। सिंधिया ने कहा, हर देश को अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) का पालन करना होता है, जो अंतरिक्ष या उपग्रहों में स्पेक्ट्रम के लिए नीति निर्धारित करने वाला संगठन है।

आईटीयू ने पारदर्शिता बनाए रखी है

आईटीयू 'असाइनमेंट' के आधार पर स्पेक्ट्रम दिए जाने के मामले में बेहद स्पष्ट रहा है। इसके अलावा, अगर आप आज दुनियाभर में देखें, तो मुझे एक भी ऐसा देश नहीं दिखता जो उपग्रह के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी करता हो।'' भारत डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) का सदस्य है।

नीलामी में प्रतिस्पर्धा करनी होती है

वहीं मित्तल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में पिछले महीने उद्योग जगत के एक समारोह में ऐसे आवंटन के लिए बोली लगाने की जरूरत पर जोर दिया था। जियो और मित्तल की भारती एयरटेल भारत की पहले और दूसरे नंबर की दूरसंचार कंपनियां हैं। उनका मानना है कि सरकार द्वारा पूर्व-निर्धारित मूल्य पर सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम देने से असमान प्रतिस्पर्धा का माहौल उत्पन्न होगा, क्योंकि उन्हें अपने स्थलीय 'वायरलेस फोन नेटवर्क' के लिए स्पेक्ट्रम प्राप्त करने को नीलामी में प्रतिस्पर्धा करनी होगी।

जियो का नीलामी के जरिए आवंटन पर जोर

मस्क की स्टारलिंक और अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर जैसे वैश्विक प्रतिस्पर्धियों ने प्रशासनिक आवंटन का समर्थन किया है। अंबानी की रिलायंस जियो नीलामी के जरिये ऐसे स्पेक्ट्रम के आवंटन पर जोर दे रही है, ताकि उन पुराने परिचालकों को समान अवसर उपलब्ध कराया जा सके जो स्पेक्ट्रम खरीदते हैं, टेलीकॉम टावर जैसे बुनियादी ढांचे की स्थापना करते हैं।

मस्क प्रशासनिक आवंटन की मांग कर रहे : मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप लाइसेंस के प्रशासनिक आवंटन की मांग कर रही है, क्योंकि वह दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते मोबाइल टेलीफोनी और इंटरनेट बाजार में प्रवेश करना चाहती है। सिंधिया ने कहा कि दिसंबर में पारित दूरसंचार अधिनियम 2023 ने इस मामले को 'अनुसूची 1' में डाल दिया है, जिसका अर्थ है कि सैटकॉम स्पेक्ट्रम का आवंटन प्रशासनिक रूप से किया जाएगा।

आवंटन सरकार द्वारा तय कीमत पर होगा

ऐसा आवंटन सरकार द्वारा तय की गई कीमत पर होगा और स्टारलिंक जैसी विदेशी कंपनियों को वॉयस तथा डेटा सेवाएं प्रदान करने की अनुमति देगा। अगर स्पेक्ट्रम की नीलामी की जाती, तो स्टारलिंक के लिए सेवाएं शुरू करना महंगा हो जाता। स्टारलिंक ने देश में परिचालन शुरू करने के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। हालांकि, सिंधिया ने इस आवेदन को लेकर कोई जानकारी नहीं दी।

अभी केवल एक या दो लायसेंस दिए गए

मंत्री ने कहा कि नियामकीय प्रक्रिया बेहद स्पष्ट और पारदर्शी हैं। उन्होंने बताया कि नया दूरसंचार अधिनियम पारित हो चुका है और सैटेलाइट स्पेक्ट्रम स्पष्ट रूप से 'अनुसूची 1' का हिस्सा है। सिंधिया ने कहा, ...और इसलिए, हम इस समय भारत में निवेश करने की इच्छा रखने वाली किसी भी इकाई के आवेदन पर विचार करने को तैयार हैं। मुझे लगता है कि अभी केवल एक या दो लाइसेंस दिए गए हैं।

वेदांता को महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी में चार ब्लॉक मिले

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- ऑयल इंडिया के खाते में एक खदान
- वेदांता को अरुणाचल, कर्नाटक, आंध्र व तमिलनाडु में मिले ब्लाक

महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी के चौथे दौर में वेदांता समूह को चार ब्लॉक मिले हैं जबकि सरकारी स्वामित्व वाली ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) एक ब्लॉक हासिल करने में सफल रही है। बृहस्पतिवार को सरकार ने यह जानकारी दी।

वेदांता ने अरुणाचल प्रदेश में वैनेडियम एवं ग्रेफाइट खदान और कर्नाटक में कोबाल्ट, मैंगनीज और लौह खदान हासिल की। वहीं वेदांता की अनुषंगी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) को आंध्र प्रदेश में टंगस्टन एवं संबंधित खनिजों का ब्लॉक और तमिलनाडु में एक टंगस्टन खदान मिली है। सरकार ने कहा कि ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अरुणाचल प्रदेश में ग्रेफाइट और वैनेडियम ब्लॉक हासिल किया है। नीलामी के इस दौर में खनिज ब्लॉक हासिल करने वाली अन्य कंपनियों में मैम्को माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड और उड़ीसा मेटालिक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। 'खान मंत्रालय ने महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी के चौथे चरण के तहत शुरू की गई आठ महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। देश में 21 खनिज ब्लॉक के लिए निविदा मंगाने का नोटिस (एनआईटी) 24 जून को जारी किया गया था।

दो ब्लाक की नीलामी दो दिसंबर तक होगी पूरी

आठ ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है और बाकी दो की नीलामी दो दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। इन महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी के साथ, सफलतापूर्वक बेचे गए महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक की कुल संख्या 22 तक पहुंच गई है।

वाहन की बिक्री घटने से निसान ने 9000 कर्मचारियों को किया बाहर

एजेंसी ▸▸ टोक्यो

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान ने अपनी बिक्री में गिरावट तथा भंडारण की लागत बढ़ने के चलते 9,000 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी को इस वजह से चालू वित्त वर्ष की ताजा तिमाही में घाटा हुआ है।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मकोतो उचिदा ने कहा कि उन्होंने निराशाजनक नतीजों की जिम्मेदारी लेते हुए अपने वेतन में 50 प्रतिशत की कटौती की है। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि कंपनी की स्थिति में जल्द सुधार होगा। निसान मोटर कॉर्प ने वैश्विक स्तर पर 9,000 लोगों की छंटनी करने की घोषणा की है, जो कि उसके 1,33,000 का छह प्रतिशत बैठता है। इसके अलावा कंपनी की अपने वैश्विक उत्पादन में 20 प्रतिशत की कटौती करने की योजना भी है। उचिदा ने यह बताने से इनकार कर दिया कि इस कटौती से कौन से क्षेत्र प्रभावित होंगे।

सितंबर तक की हालिया तिमाही में निसान को 9.3 अरब येन (छह करोड़ डॉलर) का घाटा हुआ है,

- चालू वित्त वर्ष की ताजा तिमाही में जापानी कंपनी को हुआ घाटा
- कंपनी के सीईओ मकोतो ने अपने वेतन में 50 फीसदी की कटौती

जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 190.7 अरब येन का मुनाफा हुआ था। कंपनी की सितंबर तिमाही में बिक्री 3.1 लाख करोड़ येन से गिरकर 2.9 लाख करोड़ येन (19 अरब डॉलर) रह गई।

कच्चे माल की बढ़ती लागत प्रमुख कारण

उचिदा ने माना कि निसान ने बाजार की पसंद और कच्चे माल की बढ़ती लागत सहित वैश्विक बदलावों पर तेजी से प्रतिक्रिया नहीं दी। उचिदा ने कहा कि निसान के परिचालन और योजनाओं के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी।

शेयर बाजार में दो दिन की तेजी थमी, सेंसेक्स 836 अंक लुढ़का

एजेंसी ▸▸ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में पिछले दो दिन से जारी तेजी का रुख बृहस्पतिवार को थम गया। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत दर संबंधी निर्णय के पहले निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे सेंसेक्स 836 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 285 अंक नीचे आ गया।

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी होने को लेकर बना उत्साह फीका पड़ जाने से भी घरेलू बाजार की रफ्तार सुस्त पड़ गई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 836.34 अंक यानी 1.04 प्रतिशत फिसलकर 79,541.79 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 284.70 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,199.35 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार पिछले दिन हासिल बढ़त को गंवा बैठा। कंपनियों के दूसरी तिमाही के निराशाजनक नतीजों और विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। नायर ने कहा कि ट्रंप की चुनावी जीत को लेकर पैदा हुआ उत्साह धीमा पड़ गया।

- ट्रंप के जीत का उत्साह फीका पड़ने से बाजार में सुस्ती
- निवेशक फेड के निर्णय के इंतजार में सर्तकता बरत रहे

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। सेंसेक्स की कंपनियों में से सिर्फ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का शेयर ही लाभ के साथ बंद हुआ।

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने नीतिगत ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई

लंदन। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति के दो प्रतिशत के लक्षित दायरे के भीतर आने के बाद नीतिगत ब्याज दर में बृहस्पतिवार को 0.25 प्रतिशत की कटौती कर दी। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने एक बयान में कहा कि उसकी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में प्रमुख ब्याज दर को घटाकर 4.75 प्रतिशत पर लाने का फैसला किया गया। मुद्रास्फीति में पिछले एक साल में आई गिरावट को देखते हुए यह फैसला किया गया है।

सेल का सितंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत घटा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सेल SAIL

- कंपनी का मुनाफा घटकर 897 .15 करोड़ रहा
- आमदनी घटने से कंपनी का लाभ नीचे आया

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल का चालू वित्त वर्ष का सितंबर तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत घटकर 897.15 करोड़ रुपये रह गया। आमदनी घटने से कंपनी का मुनाफा नीचे आया है।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने बृहस्पतिवार को जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजों की शेयर बाजार को जानकारी दी। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 1,305.59 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। आलोच्य अवधि में इस्पात कंपनी की कुल आय घटकर 24,842.18 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 29,858.19 करोड़ रुपये थी। तिमाही में कंपनी का खर्च 23,824.07 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 27,768.60 करोड़ रुपये था।इस बीच, सेल ने अलग से जारी एक बयान में कहा कि उसका कच्चा इस्पात उत्पादन बीती तिमाही में मामूली रूप से घटकर 47.6 लाख टन रहा। आलोच्य अवधि में इसकी बिक्री भी एक साल पहले के 47.7 लाख टन से घटकर 41 लाख टन रह गई।

टीएसी सिक्योरिटी को 6.52 करोड़ रुपए का मुनाफा

चंडीगढ़। साइबर सुरक्षा कंपनी टीएसी सिक्योरिटी का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में मुनाफा दोगुना से अधिक होकर 6.52 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी को एक साल पहले इसी अवधि (अप्रैल-सितंबर) में 1.92 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। टीएसी सिक्योरिटी ने बृहस्पतिवार को बताया, अप्रैल-सितंबर अवधि में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 13.16 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 5.01 करोड़ रुपये थी। वहीं दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कंपनी ने 4.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और 8.02 करोड़ रुपये की परिचालन आय दर्ज की। टीएसी सिक्योरिटी के संस्थापक-चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपानक अधिकारी (सीईओ) त्रिशनीत अरोड़ा ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 6.52 करोड़ रुपये और परिचालन आय दोगुना से अधिक होकर 13.15 करोड़ रुपये रही।

सोना घटकर 79,500 रुपए प्रति दस ग्राम पर

कमजोर मांग से सोना 1650 व चांदी 2900 रुपए लुढ़की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- कमजोर उठाव से चांदी लुढ़कर 93,800 रुपए प्रति किलोग्राम

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने और चांदी की कीमतें लुढ़क गईं। सोना 1,650 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे आ गया।

अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। बाजार सूत्रों ने कहा कि स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग तथा विदेशी बाजारों में कमजोरी के रुख के कारण मुख्यतः बहुमूल्य धातु की कीमतों में गिरावट आई। बुधवार को सोने की कीमत 1,650 रुपये गिरकर 79,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में इसका भाव 81,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सोने में हुआ सीमित दायरे में कारोबार

एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''सोने में स्थिर से लेकर सीमित दायरे में कारोबार हुआ, क्योंकि बाजार प्रतिभागियों को आज रात फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजे का इंतजार है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद लगाई जा रही है।''

डॉलर में उछाल से सराफा प्रभावित

गांधी ने कहा कि इसके अलावा, अमेरिकी बांड प्रतिफल में वृद्धि और अमेरिकी डॉलर में उछाल ने कीमती धातुओं के मूल्य को और प्रभावित किया। वैश्विक बाजारों में चांदी 0.24 प्रतिशत गिरकर 31.26 डॉलर प्रति औंस पर आ गयी।

चांदी में सिक्का निर्माताओं का कमजोर उठाव

औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं के कमजोर उठाव के कारण चांदी की कीमत भी 2,900 रुपये लुढ़ककर 93,800 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। बुधवार को इसका भाव 96,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहा था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 1,650 रुपये गिरकर 79,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

कारोबारी धारणा कमजोर रही

पिछले सत्र में इसका भाव 80,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख के कारण कारोबारी धारणा कमजोर हुई और स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की मांग में गिरावट से सोने की कीमतों पर दबाव पड़ा।

सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने की मांग घटी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद पूंजी का प्रवाह जोखिम वाली संपत्तियों मसलन बिटकॉइन और शेयर बाजारों की ओर होने से सोने की निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में मांग घटी है। इससे सोने में गिरावट आई।''

टाटा पावर ने किया पारादीप ट्रांसमिशन का अधिग्रहण

नई दिल्ली। टाटा पावर ने 18.64 करोड़ रुपये में एक विशेष इकाई (एसपीवी) पारादीप ट्रांसमिशन लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि अधिग्रहण की प्रक्रिया छह नवंबर, 2024 को पूरी हो गई। सूचना के अनुसार, टाटा पावर ने शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं और पारादीप ट्रांसमिशन लिमिटेड में 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। पारादीप ट्रांसमिशन को 256.183 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ ट्रांसमिशन सेवा प्रदान करने के लिए बनाओ-स्वामित्व रखो-चलाओ-सौंप दो (बीओओटी) आधार पर एक एसपीवी के रूप में स्थापित किया गया था।

छठ माई की करिहैं अरजिया भोरहरी में चार बजे...

डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य, अब उगते सूरज की करेंगे पूजा

एजेंसी ▶▶ पटना/ प्रयागराज

देशभर में समृद्धि, पुत्र प्राप्ति व मंगलकामना के पर्व छठ पर गुरुवार की शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इस बीच छठ माई के भजनों से घाट गूंजते रहे। छठ माई की करिहैं अरजिया भोरहरी में चार बजे....सबसे ज्या प्रचलित रहा। शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन होगा। शहर में विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाम होने से पहले ही व्रती तालाबों व नदियों पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए जल बीच खड़े रहे। बड़ी संख्या में छठ व्रती अपने पूरे परिवार एवं गाजे-बाजे के साथ छठ घाट पर पहुंचे। शाम को पूरे विधि-विधान से छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य एवं छठ माता की आराधना की। व्रतधारी श्रद्धालु महिलाओं ने छठ माता से सुहाग की लंबी आयु तथा परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। स्थानीय जनप्रतिनिधि व अन्य लोग भी व्रतियों को पर्व की शुभकामनाएं देने छठ घाटों पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस के जवान पूरी तरह मुस्तैद रहे।

पटना। सीएम नीतीश कुमार,भाजपाध्यक्ष नड्डा और सम्राट चौधरी भी छठ पूजा में शामिल हुए।

प्रयागराज। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अस्तावलगामी सूर्य देवता को अर्घ्य दिया।

रांची। सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन ने अर्घ्य दिया।

प्रयागराज। गंगा किनारे श्रद्धालु पूजन करते हुए।

खबर संक्षेप

सिद्दीकी हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि दोनों आरोपियों को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया गया है। इस हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 18 हो गई है। बुधवार को भी एक को गिरफ्तार किया गया था। लॉरेंस बिश्नोई का हाथ बताया जा रहा है।

निर्माणाधीन ओवर ब्रिज का गर्डर गिरा, 1 की मौत

गोरखपुर। बगुरुवार सुबह लगभग 9:40 बजे गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के नकहा जंगल रेलवे स्टेशन के पास गेट संख्या 05 स्पेशल के पास निर्माणाधीन ओवरब्रिज पर हादसा हो गया। क्रेन से लोहे का भारी गर्डर उठाते समय अचेन टूटने से गर्डर नीचे गिर गया। एसएसबी के निरीक्षक विजेंद्र सिंह कोठारी की मौत हो गई।

अनैतिक संबंध के मामले में प्रिंसिपल अरेस्ट

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल को छात्राओं के साथ दरिंदगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्रिंसिपल के ऊपर छात्राओं को परेशान करने और उन पर 'अनैतिक' संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप है। उसने परीक्षा और खेल में फायदा दिलाने का वादा किया था।

सिर काटने वाले को देंगे 50 लाख, मंडल को धमकी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री और बरहेट विधानसभा से चुनाव लड़ रहे हेमंत सोरेन के प्रस्तावक मंडल मुर्मू को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को मंडल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वॉट्सअप पर धमकी मिली। मुर्मू का सिर काटने वाले को 50 लाख रुपए दिया जाएगा।

कोलकाता के आरजी कर मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

राष्ट्रीय टास्क फोर्स की रिपोर्ट को सभी राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया जाए

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बीते 8-9 अगस्त की दरमियानी रात हुई वारदात के मामले में अब तक की जांच की प्रगति पर सीबीआई की तरफ से दाखिल स्टेटस रिपोर्ट देखी। अदालत ने साफ किया कि मामले की जांच चल रही है, इसलिए पीठ फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बीते 8-9 अगस्त की दरमियानी रात हुई वारदात के मामले में अब तक की जांच की प्रगति पर सीबीआई की तरफ से दाखिल स्टेटस रिपोर्ट देखी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोलकाता की अदालत ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने साफ किया कि मामले की जांच चल रही है, इसलिए पीठ फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती। इससे पहले स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा पर प्रोटोकॉल बनाने के लिए गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स ने भी सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश की। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय टास्क फोर्स की रिपोर्ट को सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा करने को कहा।

कोलकाता की कोर्ट ने मुख्य आरोपी संजय के खिलाफ आरोप तय किए

प.बंगाल से बाहर केस ट्रांसफर करने से इनकार

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपडेटेड स्टेटस रिपोर्ट को लेकर 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई किसी और राज्य में ट्रांसफर करने से भी इनकार कर दिया है। डॉक्टरों की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर एक वकील ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार ने एनटीएफ की रिपोर्ट दाखिल कर दी है। इसके बाद सभी याचिकाकर्ता और राज्यों के चीफ सेक्रेटरी इस पर अपने सुझाव दें। इसके लिए कोर्ट ने तीन हफ्ते का समय दिया है। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी।

वकील पर भड़के सीजेआई चंद्रचूड़

कोर्ट में कैंटीन की गपशप हो रही है, तुम किसके लिए पेश हो रहे?

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में की सुनवाई पश्चिम बंगाल से अलग दूसरे राज्य में ट्रांसफर करने से इनकार कर दिया। कोर्ट के सामने मुकदमे को बंगाल से बाहर ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। जिसको लेकर शीर्ष अदालत ने कहा कि वो ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करने जा रही है।यह पूरा घटनाक्रम सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाल और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ के सामने हुआ। इस पर जवाब देते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हां, हमने मणिपुर जैसे मामलों में ऐसा किया है। लेकिन हम यहां ऐसा कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसा कोई ट्रांसफर नहीं है। अगस्त में शीर्ष कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लिया था।

ट्रायल कोर्ट की शक्तियों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे

एक अन्य वकील ने कहा कि बंगाल के लोगों का न्यायपालिका और राज्य की पुलिस पर से भरोसा उठ गया है तो सीजेआई ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा कि लोगों के बारे में बात मत करो। तुम किसके लिए पेश हो रहे हो? ऐसे बयान मत दो। कोर्ट में कैंटीन की गपशप हो रही है!

सभी प्रदेशों के मुख्य सचिव सिफारिशें दें

मामले की अगली तारीख 11 नवंबर तय की गई है। सुझाव देने के लिए कोर्ट द्वारा गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स ने भी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एनटीएफ रिपोर्ट की एक प्रति मामले में सभी पक्षों, सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ साझा की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

इतिहास में रह जाएगी जेट एयरवेज, असेट्स बेचे जाएंगे

नई दिल्ली। भारत के एविएशन सेक्टर का कभी सबसे चमकता सितारा रही जेट एयरवेज अब पूरी तरह इतिहास के पन्नों में सिमटने जा रही है। इस एयरलाइंस को दोबारा शुरू करने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसा फैसला सुनाया है, जिसके बाद हर तरह की संभावना पर विराम लग गया है। अब इस कंपनी का अस्तित्व सिर्फ इतिहास की किताबों में ही नजर आएगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में जस्टिस जेबी पारदीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की खंड पीठ ने जेट एयरवेज के मामले में उसके लिक्विडेशन का फैसला सुनाया है। किसी कंपनी का लिक्विडेशन उसके एसेट्स इत्यादि को बेचकर उसे पूरी तरह खत्म करना होता है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के एक फैसले को खारिज कर दिया।

एसबीआई की याचिका पर आया फैसला

जेट को दोबारा शुरू करने के लिए जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने एनसीएलटी के सामने समाधान योजना पेश की थी। इस रिजॉल्यूशन प्लान को बनाए रखने और जेट एयरवेज का स्वामित्व जेकेसी को ट्रांसफर करने के लिए नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने एक फैसला सुनाया था, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है और इसी के साथ कंपनी के लिक्विडेशन का रास्ता साफ कर दिया है। फैसले के खिलाफ देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई की लीडरशिप वाले कर्जदाताओं के एक समूह ने याचिका दायर की थी। याचिका में जेकेसी के पक्ष में जेट की समाधान योजना को बरकरार रखने के फैसले का विरोध किया गया था।

एनसीएलएटी को लगी कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि एयरलाइंस का लिक्विडेशन इसे कर्ज देने वाले बैंकों, इसके वर्कर्स और अन्य स्टेक होल्डर्स के हित में होगा। कंपनी की संपत्तियों को बेचकर आने वाले पैसे कर्जदारों के ऋणों का भुगतान किया जाएगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी को उसके फैसले के लिए फटकार भी लगाई है।

मंत्री खट्टर, सीएम सुक्खू की बैठक

शानन प्रोजेक्ट में किसी का फेवर नहीं, सही निर्णय लेंगे

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू और केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर के बीच शिमला में महत्वपूर्ण बैठक खत्म हो गई। खट्टर ने कहा कि बीबीएमबी में हिमाचल का जो विषय है, उस विषय में आगे बढ़े हैं। शानन प्रोजेक्ट में हम किसी की फेवर करने के विषय में नहीं है। जो न्यायपूर्ण होगा, उसे करेंगे। ग्रीन बोनस मामले में लाभ के लिए नीति बनानी होगी। वाटर सेस मामले में कोर्ट ने मना किया है। खट्टर ने कहा कि हिमाचल सरकार के समक्ष रखा गया कि मुफ्त बिजली का हिस्सा बढ़ना चाहिए। जाठिया देवी नया शहर बसाने के मामले में खट्टर ने कहा कि यह केंद्र के विचाराधीन है। पंद्रहवें वित्तायोग के तहत नए शहरों को बसाने के लिए 8 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

लोक गायिका शारदा को श्रद्धांजलि

पटना। रेत कलाकार मधुरेंद्र ने गुरुवार को पटना में दिवंगत लोक गायिका शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि देने के लिए कलाकृति बनाई।

प्रयागराज में अखाड़ा परिषद की बैठक में कटा बवाल

2 गुट आए आमने-सामने, साधु-संतों में जमकर हुआ झगड़ा और मारपीट

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

प्रयागराज में महाकुंभ 2025 से पहले अखाड़ों के बीच आपसी मतभेद खुलकर सामने आया है। अखाड़ों की जमीन निरीक्षण के पहले 13 अखाड़ों के साधु-संत बैठक के लिए मेला प्राधिकरण के दफ्तर में पहुंचे थे। इसी दौरान निर्मोही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से किसी बात को लेकर किसी साधु से झगड़ा हुआ और नौबत मार-पीट तक आ गई। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री स्वामी हरी गिरी महाराज ने भी दूसरे गुट के संत की पिटाई की। एक गुट बैठक के दौरान हर-हर महादेव के नारे लगा रहा था। दूसरे गुट के साधु-संत नाराज हो गए थे और मारपीट करने लगे।

- जमीन निरीक्षण के पहले 13 अखाड़ों के साधु-संत मेला प्राधिकरण के दफ्तर पहुंचे

गुटबाजी खुलकर आई सामने

अखाड़ा परिषद की तरफ से बैठक बुलाई गई थी।बैठक में हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इससे पहले भी अखाड़ों के दो गुटों में बटे होने को लेकर चिंता जताई गई थी। कहा गया था कि आने वाले दिनों में सब ठीक हो जाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अखाड़ा परिषद में लंबे समय से विवाद और गुटबाजी चली आ रही है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर हमला, राहुल-खरगे को लिया आड़े हाथ

संविधान सम्मेलन किया लेकिन राहुल नहीं करते उसका सम्मान

एजेंसी ▶▶ नागपुर

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नागपुर में संविधान सम्मेलन के आयोजन को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने नागपुर में संविधान सम्मेलन किया, लेकिन वह संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। डॉ. बाबा साहब आंबेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। मुंबई में चुनाव में प्रचार करने गए रिजिजू ने मल्लिकार्जुन खरगे की पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर कहा किखरगे ने जो शब्द कहे हैं, उनसे मैं बेहद दुखी हूं। यह आपत्तिजनक है। मैं पूरी दृढ़ता से खरगे के शब्दों की निंदा करता हूं।

खरगे की टिप्पणी को बताया आपत्तिजनक

डॉ.आंबेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद उन्हें इस तरह बोलने का अधिकार नहीं

फडणवीस का आरोप

शहरी नक्सलियों से मदद लेने 'लाल किताब' का इस्तेमाल कर रहे राहुल

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाए हैं कि राहुल शहरी नक्सलियों का समर्थन लेने की कोशिश कर रहे हैं। वे रैलियों के दौरान लाल रंग के कवर वाले संविधान के संक्षिप्त संस्करण दिखाते रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि मेरे आरोप सच साबित हुए। राहुल अक्सर इस तरह का नाटक करते रहते हैं।

भाजपा के आरोपों पर बोले राहुल

मैं व्यापार नहीं, बल्कि एकाधिकार विरोधी हूं

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि वह व्यापार विरोधी नहीं हैं, जैसा कि भाजपा कह रही है, बल्कि वह एकाधिकार और अल्पाधिकार बनाने के विरोधी हैं। उन्होंने कहा था कि मूल ईस्ट इंडिया कंपनी 150 साल पहले खत्म हो गई थी, लेकिन उसके बाद पैदा हुआ डर फिर से वापस आ गया है, क्योंकि एकाधिकारियों की एक नई नस्ल ने उसकी जगह ले ली है।

सत्ता मिली तो मस्जिदों से हटा देंगे लाउडस्पीकर: राज ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के चीफ राज ठाकरे ने बुधवार को अमरावती में एक रैली के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा और मस्जिदों पर लाउडस्पीकर लगाने का मुद्दा उठाया। मनसे चीफ ने कहा कि मुझे सत्ता दो, और मैं सुनिश्चित करूंगा कि महाराष्ट्र में किसी भी मस्जिद पर एक भी लाउडस्पीकर न हो।

प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन में धामी

उत्तराखंडी प्रवासियों ने विश्व स्तर पर बनाई खास पहचान

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड के प्रवासियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है देश के विभिन्न राज्यों में उत्तराखंड के लोग शीर्ष पदों पर काम कर रहे हैं। उत्तराखंड की संस्कृति अपने आप में विशिष्ट है। एक-दूसरे को जोड़कर रखती है। यहां की संस्कृति, भाषा और संस्कार विशेष हैं।

यह प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन पहला विशिष्ट कार्यक्रम

धामी ने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन एक नई पहल है। उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा का अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे पहली विदेश यात्रा पर लंदन गए थे। वहां उत्तराखंड के लोगों का एक कार्यक्रम था। कार्यक्रम में महिलाएं उत्तराखंड के परिधान में सजी-धजी दिखीं। ब्रम्हकमल की टोपी भी धारण की थी। कोई कुमाऊनी, गढ़वाली तो कोई जौनसार गाना गा रहा था। तभी यह सोच विकसित हुई कि हमें भी ऐसा सम्मेलन करना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)